प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 14, 14 जून से 20 जून, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी

भारतीयों की मौत, जयशंकर ने रुबियो को लगाया फोन, जताया कड़ा विरोध

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिनमें तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है।

जयशंकर ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में रुबियो के साथ हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा, 'वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं है।' इस सप्ताह ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन जहाजों पर हमले हुए। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई।

अमेरिकी दूतावास प्रभारी को भी किया था तलब

जयशंकर ने कहा, 'अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की। मैंने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के उन हमलों के खिलाफ भारत का कड़ा विरोध दोहराया, जिनमें तीन भारतीय नाविकों की जान गई है।' भारत ने इस मामले में अपना विरोध दर्ज कराने के लिए नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को भी तलब किया था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया था और कहा था कि यह 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए दावा किया, 'होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों के खिलाफ बीती रात उनका (ईरान का) पूरी तरह विफल ड्रोन हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्हें तुरंत अपने तौर-तरीके सुधारने होंगे।'

ओमान में अमेरिकी नौसेना के हमलों में गई है 3 भारतीयों की जान

यह है मामला

आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के ध्वज वाले तेल टैंकर 'मैरीवेक्स' पर हमला किया था। इस जहाज पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था। इसके बाद 10 जून को अमेरिका ने पलाऊ के ही ध्वज वाले एक अन्य टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई। इसके अलावा, गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले टैंकर 'जलवीर' पर भी बृहस्पतिवार को हमला हुआ था। इस जहाज पर 20 भारतीय नागरिक सवार थे।

ट्रंप का दावा गलत, हमने नहीं किया भारतीय जहाजों पर हमला : ईरान

ईरान के दूतावास ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले किए 'पूरी तरह से बेबुनियाद' है। दूतावास ने ट्रंप की टिप्पणियों को इस सप्ताह ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया। भारत ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब किया था और उन्हें बताया था कि ओमान तट के निकट भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के घातक हमले अस्वीकार्य हैं, जिसके बाद ट्रंप का यह बयान आया था।

चौथे जहाज पर नहीं हुआ अटैक, 4 भारतीयों की मौत की खबर फर्जी

सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्टों में शनिवार को ओमान के तट के पास भारतीय कू वाले एक और जहाज पर हमले और चार भारतीय नाविकों की मौत की खबर गलत है। भारत सरकार ने इन दावों को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सरकार ने सीधे जहाज के मास्टर (कप्तान) से संपर्क किया है। कप्तान ने पुष्टि की कि जहाज पर मौजूद सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

खबर संक्षेप

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज होंगे नए थल सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले भारतीय थल सेनाध्यक्ष होंगे। थलसेना के आधुनिकीकरण में अपने योगदान और रणनीतिक योजना बनाने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख हैं। वह 30 जून को जनरल द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर पदभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ की नियुक्ति में सरकार ने वरिष्ठता के सिद्धांत का पालन किया है। मंत्रालय ने कहा, सरकार ने फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला थलसेना प्रमुख नियुक्त किया है और उनकी नियुक्ति 30 जून से प्रभावी होगी।

राम मंदिर कर्मचारी के घर 10 लाख मिले

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार को सीएम योगी से चोरी के दावे की जांच एसआईटी से कराने की मांग की। इधर, मंदिर के कर्मचारी लवकुश मिश्रा (27) के घर से 10 लाख रुपए बरामद हुए हैं। उसने रुपए गोबर में दबाकर छिपाए थे। इसके अलावा, कुछ पैसे बक्से में भी रखे थे। हालांकि, ये रुपए किसके हैं, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

भारत ने 2 दिन में किए 3 मिसाइल टेस्ट

नई दिल्ली

भारत ने अपनी रक्षा शक्ति में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ लिया है। रक्षा मंत्रालय की जानकारी के अनुसार, भारत ने लगातार तीन सफल फ्लाइट-टेस्ट पूरे किए हैं। यह परीक्षण लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलों के खिलाफ भारत के बहुस्तरीय रक्षा कवच को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

'BMD शील्ड' एक ऐसी सुरक्षा प्रणाली है जो किसी भी देश पर दागी गई दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही ट्रैक कर उसे नष्ट कर देती है। भारत की BMD प्रणाली दो परतों में काम करती है- एक वायुमंडल के अंदर और दूसरी वायुमंडल के बाहर। इसका अर्थ यह है कि अगर दुश्मन मिसाइल छोड़ता है, तो भारत के इंटरसेप्टर उसे अंतरिक्ष में या फिर हवा में ही इंटरसेप्ट कर (रोकर) तबाह कर देंगे, जिससे वह जमीन तक नहीं पहुंच पाएगी। ये महत्वपूर्ण परीक्षण 10 और 11 जून को किए गए।

असम में एएन-32 परिवहन विमान क्रैश, एयरबेस पर अफरा-तफरी मची

दुर्घटना का कारण पता लगाने बनाई जा रही है जांच समिति

एयर फोर्स स्टेशन पर मौत की लैंडिंग, गई 5 जांबाजों की जान

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के जोरहाट में एयरबेस पर लैंडिंग के समय वायुसेना के एएन-32 कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था।

वायुसेना की तरफ से जवानों के बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है। वायुसेना का कहना है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर शनिवार को भारतीय वायुसेना का एएन-32 मालवाहक विमान लैंडिंग के तुरंत बाद आग की चपेट में आ गया था। इस घटना के बाद एयरबेस पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने अपना काम शुरू कर दिया गया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, उसमें अचानक आग लग गई और उससे घना धुआं उठने लगा। यह नजारा काफी भयावह था, जिसे देखते ही एयरपोर्ट और वायुसेना की फायर और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने तुरंत आग बुझाने का अभियान शुरू किया था। वायु सेना के मुताबिक इस दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' (जांच समिति) बनाई जा रही है।

प्रशांत सिंह | जितेंद्र शर्मा | खेमाराम कुमावत | दानिश आलम | शुभम कुमार

पहले भी हो चुका है दुर्घटना का शिकार

- 2019: अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय लापता हो गया था। बाद में उसका मलबा पहाड़ों में मिला और उसमें सवार सभी 13 लोगों की मौत हो गई थी।
- 2016 : चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जा रहा एक विमान बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। कई वर्षों तक तलाश के बाद भी विमान का पता नहीं चला और सभी को मृत मान लिया गया।

असम में 5 जवान बलिदान

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

राजनाथ सिंह

देश उनके साहस-सेवा को हमेशा गर्व व कृतज्ञता से याद करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

सोवियत दौर में बना था मालवाहक विमान

एएन-32 विमान, जो सोवियत दौर में बना था, भारतीय वायुसेना के लिए कई दशकों से एक अहम ट्रांसपोर्ट विमान रहा है। खासतौर पर पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में सामान और जवानों को पहुंचाने में इसका बड़ा योगदान रहा है। लेकिन इसके साथ पहले भी कई हादसे जुड़े रहे हैं, जिससे इसकी सुरक्षा को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। एएन-32 भारतीय वायुसेना का मध्यम श्रेणी का जुड़वां इंजन वाला परिवहन विमान है, जिसे मूल रूप से तत्कालीन सोवियत संघ के एंटोनोव डिजाइन ब्यूरो ने विकसित किया था। यह विमान कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और ऊंचाई वाले इलाकों में भी संचालन के लिए जाना जाता है। यह अपेक्षाकृत छोटे और कच्चे रनवे से भी उड़ान भरने और उतरने में सक्षम माना जाता है, जिससे पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता काफी बढ़ जाती है। यह विमान लगभग 40 से अधिक सैनिकों या कई टन तक सैन्य सामान ले जाने की क्षमता रखता है।

रेल परियोजना से जशपुर के विकास को मिलेगी नई गति : सीएम साय

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय जशपुर सहित पूरे उत्तर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से जशपुर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। लंबे समय से रेल संपर्क की प्रतीक्षा कर रहे जशपुर जिले को इस परियोजना के माध्यम से पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

केंद्र सरकार ने परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में किया अधिसूचित

जशपुर को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग हुआ प्रशस्त

यह होगा लाभ

साय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक वैभव से समृद्ध जशपुर इस रेल परियोजना के माध्यम से देश के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक केंद्रों से बेहतर रूप से जुड़ सकेगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्यापार, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे तथा वनांचल क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

छत्तीसगढ़ का विकास प्राथमिकता

साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। रेल, सड़क, ऊर्जा और अन्य आधारभूत अधोसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है।

असम में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक, सीएम सरमा का बड़ा फैसला

गुवाहाटी

अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए असम सरकार ने 18 साल से अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया है कि अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को सामान्य प्रक्रिया के तहत आधार कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे। इस फैसले का मकसद ये है कि अवैध प्रवासी इस दस्तावेज को हासिल न कर सकें। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में संबंधित जिले के उपायुक्त (डीसी) को राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजना होगा। राज्य सरकार मामले की जांच के बाद तय करेगी कि संबंधित व्यक्ति आधार कार्ड पाने का पात्र है या नहीं। उसके बाद ही अनुमति दी जाएगी।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया लगभग चरम की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, कुछ जिलों में आधार कवरेज 100 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। हमें यह पता लगाना होगा कि अतिरिक्त आधार कार्ड लेने वाले लोग कौन हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह कदम विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि कोई भी अवैध बांग्लादेशी नागरिक आधार कार्ड प्राप्त न कर सके। सीएम सरमा ने बताया कि फिलहाल चाय बागान समुदाय और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे, क्योंकि इन समुदायों के कई लोगों के पास अभी भी आधार कार्ड नहीं हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह छूट भी सीमित अवधि के लिए होगी। उन्होंने कहा, '1 अप्रैल 2027 से यह छूट भी समाप्त हो जाएगी और उस तारीख के बाद इन समुदायों के 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को भी आधार कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे।' राज्य सरकार ने साफ किया है कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों और किशोरों के लिए आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पहले की तरह जारी रहेगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पहले भी कह चुके हैं कि असम में आधार कार्ड जारी करने के नियमों को और सख्त बनाया जाएगा और राज्य में आधार प्राप्त करना आसान नहीं होगा। पिछले साल उन्होंने संकेत दिया था कि बांग्लादेश से होने वाली अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के उद्देश्य से वयस्कों के लिए आधार कार्ड जारी करने के नियमों को कड़ा करने पर सरकार विचार कर रही है।

'बेटी सबकी होती है' : 'अखिलेश की बेटी पर टिप्पणी मामले में तुरंत एफआईआर करवाई', आजमगढ़ में बोले सीएम योगी

आजमगढ़

मैं पिछले दिनों देख रहा था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कुछ लोगों ने गलत टिप्पणियां की थीं। जैसे मेरे संज्ञान में आया। पुलिस से मैंने कहा इसमें एफआईआर दर्ज कराओ, बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बेटी, बेटी होती है और हम तो संस्कार में हैं। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि गांव की बेटी सबकी बेटी, गांव की बहन सबकी बहन है।

हमने तो कोई भेदभाव नहीं किया, लेकिन अखिलेश जी दूसरों को उपदेश देते हो, अपने चेले- चपाटों को भी थोड़ा उपदेश दे दो कि अपनी भाषा को संयम कर लें। दूसरों के प्रति टिप्पणी करने के पहले स्वयं भी सोचा करो कि आपके लोग इस प्रकार की भाषा का प्रयोग बहन और बेटियों के प्रति बुजुर्गों के प्रति, दिवंगत लोगों के प्रति और वरीष्ठ नेताओं के प्रति करते हैं। इसके बारे में उनको भी संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा उनको समझाओ और नहीं समझ सकते तो हमारे हवाले कर दो। हम

उनको अच्छी तरह समझा देंगे। सीएम योगी ने कहा कि आज बेटी की शिक्षा और बेटी की शादी की स्कीम भी हमारे पास है। 2017 और 2014 के पहले क्यों नहीं हुआ? एक्सप्रेस-वे 2017 के पहले क्यों नहीं बन पाया? ये विश्वविद्यालय भी पहले क्यों नहीं बन पाया? नर्सिंग कॉलेज क्यों नहीं बन पाया? कारण था करने की इच्छा शक्ति नहीं थी। युवाओं को नौकरी क्यों नहीं मिल पाई? कनेक्टिविटी इतनी अच्छी क्यों नहीं आ पाई थी? गोरखपुर जाने के लिए आसपास का व्यक्ति यहां से चलता है तो एक घंटे में गोरखपुर, मात्र डेढ़ से 1.75 घंटे में वाराणसी पहुंचता है, ढ़ाई घंटे में लखनऊ पहुंचता है। कहा कि हमने गति बढ़ाने का काम, हर गरीब को सिर ढकने के लिए छत, हर गरीब के घर में शौचालय, हर बेटी की सुरक्षा की व्यवस्था, हर व्यापारी को भी सुरक्षा की व्यवस्था किया है। हम बिना भेदभाव के सुरक्षा देंगे। बिना भेदभाव के शासन की योजना से भी लोगों को जोड़ेंगे। लेकिन अगर किसी ने गरीब की जमीन को हड़पने का काम किया, बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाया और किसी व्यापारी के साथ भी जबरदस्ती करने का काम किया तो फिर हम उसकी गारंटी नहीं ले पाएंगे।

राम मंदिर चंदा विवादः सरकार ने लिया सख्त एक्शन, जांच के लिए गठित की गई एसआईटी; ये अधिकारी करेंगे जांच

लखनऊ

करीब एक सप्ताह पहले चंदे की राशि में गबन करने का मामला सामने आया था। तब से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट गोपनीय तरीके से जांच कर रही है। आधिकारिक तौर पर पुलिस का हस्तक्षेप नहीं है। लेकिन पुलिस की मदद से ट्रस्ट के पदाधिकारी संदिग्धों से पूछताछ कर रकम की रिकवरी में जुटे हैं। अब ट्रस्ट ने कोई बयान आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया है। इस बीच शनिवार को ट्रस्ट की तरफ से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले की जांच एसआईटी से करवाने की मांग की थी। देर शाम शासन ने एसआईटी गठित कर दी। जिसमें विशेष सचिव वित्त नील रतन, मंडलयुक्त लखनऊ विजय विश्वास पंत और आईजी रेंज लखनऊ आईपीएस किरन एस शामिल हैं। एसआईटी को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सात दिन में शासन को सौंपना है। इसलिए जांच तेजी से होगी। रविवार को एसआईटी अयोध्या आ सकती है। एसआईटी पकड़े गए संदिग्धों से पूछताछ कर अब तक जुटाए गए साक्ष्यों को भी कब्जे में लेगी। वहीं ट्रस्ट के जिम्मेदारों से भी मामले की जानकारी हासिल करेगी। उसी आधार पर आगे की जांच एसआईटी करेगी। बताते चलें कि राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन के आरोप में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में छापेमारी कर 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बरामदगी आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से हुई, जो मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है। लवकुश के पिता बच्चूलाल ने बताया कि ट्रस्ट के तीन-चार लोग उनके घर पहुंचे और ताला तोड़कर नकदी अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस धन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वे गाजियाबाद में रह रहे थे।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया के युद्ध में तटस्थ देशों के जहाजों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी

दुनिया के कई देश पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया, वे किसी भी रूप में युद्ध का हिस्सा नहीं थे। पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के युद्ध की आग की चपेट में अब वैसे देश और लोग भी आने शुरू हो चुके हैं, जो पूरी तरह तटस्थ हैं और वे सिर्फ जरूरी आपूर्ति सुनिश्चित करने की उम्मीद में उस क्षेत्र में मौजूद हैं। कायदे से आम लोगों की जरूरतों के मद्देनजर अपनी ड्यूटी करने वाले अन्य देशों के लोगों को किसी भी पक्ष की ओर से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन हाल में अमेरिका ने इस मामले में जिस स्तर की लापरवाही और मनमानी दिखाई है, उससे यही लगता है कि उसे सामान्य स्थिति के बहाल होने की कोई फिक्र नहीं है। वरना क्या वजह है कि पिछले तीन-चार दिनों के भीतर उसने उस क्षेत्र में मौजूद तीन भारतीय जहाजों को निशाना बनाया। उसे यह समझना क्यों जरूरी नहीं लगा कि वह जिन जहाजों पर हमला कर रहा है, वे वाणिज्यिक हैं और किसी भी रूप में इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं? गौरतलब है कि ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

जहाज सेट्टेबेलो पर अमेरिका की ओर से किए गए एक हमले में तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई। जहाज पर चौबीस लोग सवार थे, जिनमें से इक्कीस को किसी तरह बचा लिया गया। इससे पहले सोमवार को मारिवेक्स नाम के तेल टैंकर पर भी हमला किया गया था, जिसके बाद भारतीय नाविकों ने मदद के लिए आपात संदेश भेजा था। अब गुरुवार को ओमान के शिनास बंदरगाह के पास एक वाणिज्यिक जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया गया। हालांकि इन दोनों घटनाओं में सभी नाविकों को बचा लिया गया। सवाल है कि अमेरिका के लिए यह समझना मुश्किल क्यों हो रहा है कि ईरान के साथ जारी उसके युद्ध के क्रम में अगर तटस्थ देशों के वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया जाता है, तो अन्य मोर्चों पर कैसी जटिल स्थिति खड़ी हो सकती है। दुनिया के कई देश पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया, वे किसी भी रूप में युद्ध का हिस्सा नहीं थे। मगर बिना किसी मजबूत आधार या उकसावे के अमेरिका ने हमला किया। शायद उसे अब यह सोचने की जरूरत है कि उसके रवैये और जिद का हासिल क्या सामने आ रहा है। यह बेवजह नहीं है कि भारत ने हमले और उसमें नाविकों के मारे जाने पर अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपनी तीखी आपत्ति दर्ज की। विदेश मंत्रालय ने मध्य-पूर्व में संवेदनशील सुरक्षा हालात पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए समुद्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले को भू-राजनीतिक शत्रुता का नतीजा बताया। एक ओर ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, तो दूसरी ओर अमेरिका ने उस समूचे इलाके में नाकेबंदी कर रखी है। आखिर क्या वजह है कि भारत या किसी देश के वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने में भी उसे कोई हिचक नहीं हो रही है? होर्मुज या अन्य समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल किया जाना इसलिए भी जरूरी है कि सिर्फ उसकी वजह से दुनिया के कई देशों में ऊर्जा और तेल की आपूर्ति बुरी तरह बाधित है और इसका विपरीत असर बड़े दायरे में जनजीवन पर पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जहां युद्ध के बावजूद वाणिज्यिक जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता तैयार किया जाना चाहिए था, वहीं बिना किसी आधार के इन जहाजों पर हमले किए जा रहे हैं। सवाल है कि वर्चस्व की जंग के बीच अमेरिका की नजर में क्या अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई अहमियत रह गई है?

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

आलोक सोलंकी

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें आधी आबादी और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर अर्थात राष्ट्रनिर्मार्ता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्मार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन- इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्मार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में बर्बर सैन्य-पुलिस हिंसा के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ

कमलेश पांडे

पीओजेके में समय-समय पर सामने आने वाली हिंसा, दमन, विरोध-प्रदर्शन और मानवाधिकार संबंधी आरोप केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि इनके कई अंतरराष्ट्रीय आयाम भी हैं। चूंकि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। इसलिए सबने कड़ी प्रतिक्रिया दी है, क्योंकि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार कई लोगों की मौत हुई, तथा बड़ी संख्या में लोग घायल हुए तथा गिरफ्तारियां और इंटरनेट प्रतिबंध जैसी कार्रवाइयाँ भी की गईं। लिहाजा यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय चिंता का भी सबब बन चुकी है।

जहां तक भारत की सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया की बात है तो भारत सरकार ने इस घटना पर सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कथित पुलिस बर्बरता और प्रदर्शनकारियों की मौतों पर चिंता जताते हुए कहा कि पाकिस्तान पीओके में अपने प्रशासनिक और राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए दमन का रास्ता अपना रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस स्थिति पर ध्यान देने और मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने की मांग की है। जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की बात है तो एमनेस्टी इंटरनेशनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी पर चिंता व्यक्त की तथा शांतिपूर्ण संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कुछ कश्मीरी अधिकार कार्यकताओं ने भी पीओके में मानवाधिकारों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है। जबकि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने घटनाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक असंतोष और नागरिक अधिकारों से जुड़े व्यापक संकट के रूप में प्रस्तुत किया है। लिहाजा, पीओजेके में होने वाली बर्बर हिंसा के मायने केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके प्रभाव मानवाधिकार, भारत-पाकिस्तान संबंध, चीन की रणनीतिक परियोजनाओं, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तक फैलते हैं। इसलिए ऐसी घटनाओं को केवल स्थानीय नहीं, बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाता है। आइए इसे विस्तार से इसके अंतरराष्ट्रीय मायने समझते हैं:-

पहला, मानवाधिकारों का गम्भीर वैश्विक मुद्दा: यदि किसी क्षेत्र में नागरिकों पर अत्यधिक बल प्रयोग, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध या राजनीतिक दमन के आरोप लगते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और वैश्विक मंचों का विषय बन जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान ऐसे मामलों पर नजर रखते हैं।

दूसरा, पाकिस्तान की बर्बर अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव: पीओजेके में अस्थिरता या हिंसा की खबरें अमेरिकी-चीनी पिल्ले पाकिस्तान के उस दावे को चुनौती दे सकती हैं कि वहां के लोग संतुष्ट और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत रह रहे हैं। इससे उसकी कूटनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

तीसरा, भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों पर असर: इंडिया और पाकिस्तान के बीच कश्मीर पहले से ही एक संवेदनशील मुद्दा है। पीओजेके में हिंसा की घटनाएं दोनों देशों के राजनीतिक विमर्श और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को और तेज कर सकती हैं।

चौथा, चीन की रणनीतिक चिंताएं: पीओजेके से होकर सीपीईसी का महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। लिहाजा क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने पर चीन की आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ सकती हैं।

पांचवां, दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय सुरक्षा: किसी भी संवेदनशील सीमा क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता बनी रहने से क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-निरोधक प्रयासों और सीमापार तनावों पर प्रभाव पड़ सकता है। इस कारण प्रमुख शक्तियां स्थिति पर नजर बनाए रखती हैं।

छठा, कश्मीर विमर्श का नया आयाम: पीओजेके में विरोध-प्रदर्शन या हिंसा की घटनाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बहस भी जन्म देती हैं कि कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में लोगों की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आकांक्षाएं क्या हैं। इससे कश्मीर संबंधी वैश्विक विमर्श अधिक जटिल हो जाता है।

 # इसके राजनीतिक और कूटनीतिक मायने निम्नलिखित हैं:

1. पाकिस्तान की आंतरिक चुनौतियाँ उजागर हुई हैं – स्थानीय जनता के बीच शासन, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक अधिकारों को लेकर असंतोष सामने आया है।
2. भारत को कूटनीतिक अवसर मिला है – नई दिल्ली पीओके में मानवाधिकार और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रश्न को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक मजबूती से उठा सकती है।
3. कश्मीर विमर्श में नया आयाम – लंबे समय से भारत जिस मुद्दे को उठाता रहा है कि पीओके के लोगों को पर्याप्त राजनीतिक अधिकार नहीं मिले हैं, उसे इस घटनाक्रम से नया बल मिला है।
4. अंतरराष्ट्रीय दबाव की संभावना – यदि हिंसा और दमन के आरोप बढ़ते हैं तो पाकिस्तान पर मानवाधिकारों के पालन को लेकर बाहरी दबाव बढ़ सकता है। कुल मिलाकर, पीओके की यह हिंसा केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गई है, बल्कि मानवाधिकार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और भारत-पाकिस्तान संबंधों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनती जा रही है।

लघुकथा

घनिष्ठ दोस्त

दोनों घनिष्ठ दोस्त थे - शंकर और शाहरुख। शंकर की बाईं टांग घुटने से नदारद तो शाहरुख की बाईं बांह कुहनी से गायब। शंकर हनुमान मंदिर के पास बैठता और शाहरुख झंडा चौक वाली जामा मस्जिद के करीब। शाहरुख हँस कर कहता- ह्यार, मंगतई अपुन का सांझा दुख है। सांझा दुख लोगों को जोड़ने का काम करता है। एक दिन शाहरुख किसी काम से दूसरे मोहल्ले गया। शाम को लौटा तो देखा कि मस्जिद के आगे शंकर जमीन पर बेहोश पड़ा है। पास ही बैसाखी। शंकर यहां..! जरूर उसे खोजते हुए चला आया होगा पागल। झोले से पानी की बोतल निकाल कर मुंह पर छींटे मारे। गाल थपथपाया, पर होश नहीं आया। अब! चोट गंभीर है। तुरंत अस्पताल ले जाना होग। मगरीब की नमाज खत्म हुई ही थी। नमाजी एक-एक करके मस्जिद से निकल रहे थे। शाहरुख सहायता की गुहार लगाने लगा- खुदा के वास्ते.. मेरे दोस्त को अस्पताल ले जाने में मदद करो। लोग गुहार पर शंकर की ओर नजर डालते फिर मुंह बिचका कर आगे बढ़ जाते। शाहरुख की नजर शंकर के चंदन टीके, रामनामी और कलावे पर अटक गई। होंठों पर विद्रूप मुस्कान उभर आई। थरथराते हाथों से मोली तोड़ी, टीका पोंछा, रामनामी की जगह चारखाने वाला गमछा रख दिया और झोले से जालीदार टोपी निकालकर सर पर फंसा दी। गले में सात सौ छियासी गुदी अपनी ताबीज भी पहना दी। इस बार गुहार का असर हुआ। मस्जिद से निकलते नमाजी शंकर को देखकर ठिठकते। छोटी सी भीड़ दोनों के पास जमा हो गई और लोग ह्याय अल्लाह.. बड़बड़ाते उसको अस्पताल ले जाने का उपाय करने लगे!

कहानी

टिटिहरी और समुद्र

पंडित विष्णु शर्मा

समुद्र के तट पर एक स्थान पर एक टिटिहरी का जोड़ा रहता था। टिटिहरी कुछ दिनों में अंडे देने वाली थी। उसने अपने पति से कहा, "अब समय निकट आ रहा है, इसलिए आप किसी सुरक्षित स्थान की खोज कीजिए जहां मैं शान्तिपूर्वक अपने बच्चों को जन्म दे सकूं।" उसकी बात सुनकर टिटिहरा बोला, "प्रिये! समुद्र का यह भाग अत्यन्त रमणीय है। हमारे लिए यह स्थान अत्यंत उपयुक्त है।" "यहाँ पूर्णिमा के दिन समुद्र में ज्वार आता है। उसमें तो बड़े-बड़े हाथी तक बह जाते हैं। हमें यहाँ से दूर किसी अन्य स्थान पर जाना चाहिए।" टिटिहरी ने चीता जतायी। "वाह! तुम भी क्या बात करती हो ! समुद्र की क्या शक्ति कि वह हमारे बच्चों को बहाकर ले जाए।

तुम निश्चिन्त रहो।" समुद्र भी उनका संवाद सुन रहा था। वह सोचने लगा कि इस तुच्छ-से पक्षी को भी कितना गर्व हो गया है। आकाश के गिरने के भय से यह अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाकर पड़ा रहता है और सोचता है कि वह गिरते हुए आकाश को अपने पैरों पर रोक लेगा। कौतूहल के लिए इसकी शक्ति को भी देखना ही चाहिए। इसके अण्डे अपहरण करने पर यह क्या करता है, यह देखना चाहिए। बस अण्डे देने के बाद एक दिन जब टिट्टिभ दम्पति भोजन की खोज में निकले तो समुद्र ने लहरों के बहाने उनके अण्डों का अपहरण कर लिया। लौटने पर जब टिटिहरी ने अण्डों को अपने स्थान पर नहीं पाया तो वह विलाप करती हुई अपने पति से कहने लगी, "मैंने पहले ही कहा था कि इस समुद्र की तरंगों से मेरे अण्डों का विनाश हो जाएगा, किन्तु अपनी मूर्खता और गर्व के कारण तुमने मेरी बात को सुना नहीं। किसी ने ठीक ही कहा है कि हितचिंतों और मित्रों की बात को जो नहीं मानता वह अपनी मूर्खता के कारण उसी प्रकार विनष्ट हो जाता है।"

सीख : हितचिंतों और मित्रों की बात सदैव ध्यान से सुननी चाहिए।

(व्यंग्य)

सुरक्षा में बढ़ोतरी योजना

संतोष उत्सुक

खास परीक्षा के, अब ऐतिहासिक हो चुके प्रश्न पत्र के मामले में, सुरक्षा सुदृढ़ करने में सुप्रीम सुरक्षा एजेंसी को खोजबीन सौंपना भी एक तरह से सुरक्षा बारे खबरदार करना है। इस उचित निर्णय से भविष्य में यह गलत काम करने वाले डरेंगे। उनके दिमाग में यह चेतावनी चिपकी रहेगी कि अगर फंस गए तो मुकदमे में सालों साल उलझे रहेंगे।

पिछले कुछ दिनों से मानसिक सुरक्षा में बढ़ोतरी महसूस हो रही है। सुना है एक खास परीक्षा की सुरक्षा बनाए रखने के मामले में सुरक्षा विभाग पास नहीं हो पाया, इसलिए अब उस खास परीक्षा के प्रश्न पत्र, खास विभाग के विमान से भेजे जाएंगे। यह बेहद प्रेरित करने वाला निर्णय है। अब दूसरी परीक्षाओं के आयोजकों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी उनके द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्न पत्र ही नहीं बलिक उत्तर पुस्तिकाओं को भी हवाई मार्ग से मंगाया करेंगे। स्वाभाविक नहीं निश्चित है, समुचित व्यवस्था बनाए रखने में उच्च कोटि का अनुभव रखने वाले नियंत्रक उन्हें मानव स्पर्श रहित मार्ग उपलब्ध करवाएंगे।

कभी लाखों में एक बार ऐसा भी हो सकता है कि परीक्षा केंद्र के अधीक्षक का कोई निजी कार्य रह गया हो तो उसी विमान से करवा लिया जाए। वक़्त काबू में रहा तो उनके परिवार को भी आसमान का चक्कर लगवा दिया जाएगा और घर की छत पर खड़े होकर

रिश्तेदार, हाथ नहीं इस अवसर के लिए सिलवाए झंडे जोर जोर से हिला सकेंगे।

वैसे तो छोटा नहीं मोटा सामान ले जाने के लिए भी आजकल ड्रोन प्रयोग हो रहे हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय युद्ध में एक शस्त्र की तरह इस्तेमाल होने के कारण ड्रोन, युद्ध क्षेत्र में यश अर्जित कर रहे हैं इसलिए शांत क्षेत्र में प्रश्न पत्र पहुंचाने के लिए उन्हें उचित नहीं समझा गया। अब विमान निर्माण कम्पनियां सर्वे करेंगी और यह पता लगाएंगी कि भविष्य में कितने युवा खास परीक्षाओं में बैठने वाले हैं। उस हिसाब से अनेक आकार के विमानों का निर्माण होगा जो सीधे परीक्षा केंद्र की छत पर बाक्स उतार दिया करेंगी। एयरपोर्ट पर डिलीवरी लेकर, बख्तरबंद गाड़ी और सुरक्षा कर्मियों का खर्च भी बचेगा। छत से परीक्षार्थी के हाथों तक पहुंचाने के लिए, परीक्षा केंद्र के संचालक और अन्य पर्यवेक्षी स्टाफ को नए किस्म की सुरक्षा वर्दी दी जाएगी जो प्रश्न पत्र को हस्त स्पर्श रहित तरीके से पहुंचाएगी। इससे सुरक्षा में कोई कमी न रहेगी तो लीक होने की आशंका भी समाप्त हो जाएगी।

खास परीक्षा के, अब ऐतिहासिक हो चुके प्रश्न पत्र के मामले में, सुरक्षा सुदृढ़ करने में सुप्रीम सुरक्षा एजेंसी को खोजबीन सौंपना भी एक तरह से सुरक्षा बारे खबरदार करना है। इस उचित निर्णय से भविष्य में यह गलत काम करने वाले डरेंगे। उनके दिमाग में यह चेतावनी चिपकी रहेगी कि अगर फंस गए तो मुकदमे में सालों साल उलझे रहेंगे और अगर फैसला हो गया तो सजा मिलेगी। अब उन्हें यह आत्म ज्ञान हो जाएगा कि शिक्षा के किसी भी मामले में सजा भुगतना पाप के बराबर है। शिक्षा के मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाता है और सिर्फ कुछ महत्त्वपूर्ण लोगों के तबादले कर दिए जाते हैं और अखबारों की हेड लाइन छपती है। इससे दूसरों को सबक मिलता है।

वह बात अलग है कि उन दूसरों और तीसरों को पता होता है कि कुछ दिनों बाद फिर तबादले होंगे और कोई खबर नहीं छपेगी। इस तरह की घटनाएं दिखाती हैं कि विकास और सुरक्षा में हम विश्वगुरु हैं फिर भी किसी भी छोटी या बड़ी घटना से कुछ न कुछ सीखते हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं। यह सब सुरक्षा बढ़ोतरी योजना के अंतर्गत आता है।

नगला इमलिया में दूर दूर तक दिखाई नहीं देता है विकास कार्य

ग्रामीणों का आरोप वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में एक ईट भी नहीं लगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। विकास खंड की ग्राम पंचायत रोशिंगपुर का मजरा नगला इमलिया में विकास कार्य दूर दूर तक नजर नही आता है। गांव के लोग आज भी नारकीय जीवन व्यतीत कर रहे है। गांव की ज्यादातर गलियों में नालियों का गंदा पानी भरा रहता हैं, यहां के मुख्य मार्ग पर भी नालियों का गंदा पानी भरा रहता है। मुख्य मार्ग पर जलभराव होने की बजह से गांव के छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण नही कर पा रहे है, क्यो कि गांव के स्कूल तक जाने वाले दोनो ही मार्गो पर जलभराव की स्थिती बनी रहती है।

क्षेत्र के गांव नगला इमलिया में प्रवेश करते ही दुर्दशा की तस्वीर शुरू हो जाती है। गांव में घुसने पर सबसे पहले आपका स्वागत गांव के मुख्य मार्ग पर भरा हुआ नालियों का गंदा पानी करता है। गांव में घुसने के बाद पूरे ही मुख्य मार्ग पर जलभराव की स्थिती बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वे लोग इस नारकीश जीवन में कई साल से जीवन व्यतीत कर रहे है। उन्हे कोई ऐसा जनप्रतिनिधि नही मिला जो गांव के मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या से निजात दिला देता, इसके अलावा भी गांव के अंदर घुसने पर गली में भी नालियों का गंदा पानी भरा रहता है। इसके साथ ही अजयपाल राजपूत, ठाकुरदास राजपूत आदि ग्रामीणों के घर के सामने गली में भारी मात्रा में नालियों का गंदा पानी भरा रहता है।

स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। गांव के मुख्य मार्ग पर राजकीय हाईस्कूल है। गांव के बालक, बालिकाओं के स्कूल तक जाने के लिए केवल दो ही मार्ग है, एक तो गांव का मुख्य मार्ग है। दूसरा मार्ग ग्रामीण सुनील कुमार के घर से राजकीय हाईस्कूल तक जाता है। मुख्य मार्ग पर नालियों का गंदा पानी भरा रहता है तो वहीं दूसरे मार्ग का आजादी के बाद से निर्माण ही नही हुआ है। इस मार्ग पर गहरे गहरे गढड़े हो गए है। जिनमें पानी भरा रहता है। ऐसी हालत में छात्र छात्रओं के सामने स्कूल तक पहुंचने का संकट है।

गांव में ग्राम प्रधान ने कुछ भी नही कराया!

ग्रामीण शिवम राजपूत का कहना था कि वर्तमान ग्राम प्रधान ने नगला इमलिया में कोई भी विकास नही कराया है। वर्तमान प्रधान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए ग्राम पंचायत में कार्य कराए गए है। इस प्रधान ने गांव में एक ईट भी नही लगाई है। अगर प्रधान एक ईट भी लगवा देता तो मान लिया जाता कि गांव में विकास कुछ हुआ है। लेकिन ग्राम प्रधान ने अपनी जेब भरने का काम किया है।

क्या बोले बीडीओ कुरावली

नगला इमलियां की गलियों में नालियों के गंदा पानी भरा होने की जानकारी नही है। साथ ही राजकीय हाईस्कूल तक जाने वाले कच्चे मार्ग के बारे में भी जानकारी नही है। विकास खंड कार्यालय से टीम भेजकर गलियों की स्थिती के बारे में जानकारी कराई जाएगी, अगर जलभराव की स्थिती बनी हुई है। तो पानी निकासी के इंतजाम कराकर गलियों के निर्माण की व्यवस्था जल्द ही कराई जाएगी।

- सुनील कुमार, बीडीओ कुरावली।

आधा दर्जन ट्रांसफार्मर से तेल और कलपुर्जे कॉपर चोरी

पुलिस में मामले में दर्ज किया मुकदमा, सर्विलांस टीम ने की जांच

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बिछवां/मैनपुरी। थाना क्षेत्र में विद्युत ट्रांसफार्मर को नीचे गिराकर उनके कलपुर्जे तेल व कॉपर चोरी करने वाले चोरों का आतंक बढ़ गया है। अब तक आधा दर्जन से अधिक निजी सबमसर्बिल पंपो पर लगे विद्युत ट्रांसफार्मर का सामान चोरी कर चुके हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस सर्विलांस के जरिए चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगह पर ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर सामान निकालने वाले चोरों ने आतंक मचा रखा है। गांव अंजनी निवासी आलोक पुत्र वीरेंद्र सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि 13 जून की रात्रि में खेतों पर लगा हवेलिया गांव के समीप ट्रांसफार्मर को नीचे गिरकर तेल कॉपर व उनके कल पुर्जे चोरी कर लिए हैं। वही गांव नगला जीसुख निवासी नंदराम पुत्र धनीराम व गांव धौकलपुर निवासी बलवीर सिंह पुत्र मास्टर सिंह, राजीव कुमार पुत्र वीरपाल सिंह के निजी समरो पर लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को नीचे गिराकर उनका सामान चोरी कर लिया गया है इससे पहले 15 दिन पूर्व अंजनी में दो ट्रांसफार्मर को नीचे गिरकर उनका तेल चोरी कर लिया गया था, मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

ट्रांसफार्मर नुकसान होने से किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। धान की फसल के लिए पौध की रोपाई में संकट आ रहा है। पुलिस सर्विलांस के जरिए चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कानूनगो को पीटने के मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। तहसील भोगांव में तैनात लेखपाल द्वारा तहसील किशनी में तैनात कानूनगो को तहसील के अंदर आकर डंडों से पीटने, गाली गलौज करने की घटना को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए लेखपाल के खिलाफ कार्यवाही की है।

तहसील किशनी में राजस्व निरीक्षक के पद पर तैनात भानवीर सिंह तहसील के कमरा नंबर बारह में बैठकर सरकारी कार्य में व्यस्त थे। बुधवार की शाम करीब 5.40 पर तहसील भोगांव में तैनात लेखपाल अंकुर यादव अचानक उसी कक्ष में आए और भानवीर पर हमला बोल दिया। आरोप है कि लेखपाल अंकुर यादव ने राजस्व निरीक्षक भानवीर सिंह के साथ जमकर गाली गलौज की, डंडों से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद पीड़ित भानबीर ने एसडीएम गोपाल शर्मा से शिकायत की। एसडीएम ने भी मामले को गंभीरता से लिया और पुलिस को लेखपाल अंकुर यादव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दे दिया। पुलिस ने सुसंगत धाराओं के अंतर्गत लेखपाल अंकुर यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

लेखपाल पत्नी की शिकायत से नाराज था लेखपाल

सूत्रों की मानें तो राजस्व निरीक्षक भानबीर ने तहसील किशनी में तैनात महिला लेखपाल की तहसील से लगातार अनुपस्थित रहने की शिकायत एसडीएम से की थी। जिसके बाद रवि यादव को निलंबित किया गया था।गौरतलब है कि लेखपाल रवि यादव लेखपाल अंकुर यादव की पत्नी हैं। पत्नी की शिकायत से अंकुर नाराज थे। परिणाम स्वरूप यह घटना कारित की गई।

आखिर तैनाती स्थल पर क्यों नहीं रुकते जागीर चिकित्साधीक्षक

- कुरावली में अपने आवास पर प्राइवेट हॉस्पिटल का करते है संचालन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। एक तरफ जहां शासन ने सीएचसी चिकित्साधीक्षक के रात्रि विश्राम सीएचसी परिसर में ही करने के आदेश जारी किए है। इसके अलावा डीएम ने भी गुरुवार को स्वास्थय विभाग की बैठक में निर्देश दिए थे कि प्रभारी चिकित्साधिकारी रात्रि विश्राम तैनाती स्थल पर करेंगे। लेकिन जागीर सीएचसी में शासन और डीएम के आदेश का असर दिखाई नही दे रहा है। शनिवार से पहले के सिलसिला पर निगाह डाले तो जागीर चिकित्साधीक्षक अपनी तैनाती स्थल पर नही रुकते है। वह वहां से 35 किलोमीटर दूर कुरावली स्थित अपने आवास पर रुकते है। चिकित्साधीक्षक यहां पर प्राइवेट हॉस्पिटल का संचालन करते है। जनपद की जागीर सामुदायिक स्वास्थय केंद्र पर तैनात चिकित्साधीक्षक के तैनाती स्थल पर न रुकने से वहां की स्वास्थय सेवाएं प्रभावित हो रही है। चिकित्साधीक्षक के तैनाती स्थल पर रुकने की बात करें तो वह वहां पर कभी रुके ही नहीं, अब तो वह कुरावली स्थित अपने खुद के आवास में निवास करने लगे हैं, इससे पहले वह कुरावली सीएचसी परिसर में निवास करते थें तभ भी वह अपने आवास से जागीर सीएचसी के लिए आवागमन करते थें। इस आवागमन के पीछे भी कारण है वह आवास पर ही प्राइवेट रुप से मरीजो का इलाज करते है, उनके द्वारा जो दवाई लिखी जाती है उस दवाई का मोटा कमीशन उन्हें मिलता है।

स्वास्थय विभाग के अधिकारी जान के भी अनजान

ऐसा नही है कि जागीर चिकित्साधीक्षक के तैनाती स्थल पर न रुकने के बारे स्वास्थय विभाग के अधिकारियों को जानकारी नहीं है। उन्हे जानकारी होने के बाबजूद भी वह अनजान बने हुए है। इसलिए सालों से यह क्रम चला आ रहा है। स्वास्थय विभाग के अधिकारी इस मामले में कोई कार्रवाई नही करना चाहते है।

कुरावली से बहुत लेट जाने का सिलसिला

वर्तमान में सभी सीएचसी पर ओपीडी में मरीजो को देखने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक का है। लेकिन जागीर चिकित्साधीक्षक कुरावली अपने आवास से ही 8 बजे के बाद काफी देरी से जागीर के लिए निकलते है। यह फिर कहा जाए कि जागीर सीएचसी पर केवल नाम की ड्यूटी की जाती है, वकाया प्राइवेट रुप से मरीजो को समय दिया जा रहा है।

क्या बोले डिप्टी सीएम/स्वास्थय मंत्री

मैनपुरी के जागीर चिकित्साधीक्षक के द्वारा तैनाती स्थल पर न रुकने का मामला संज्ञान में नही है। इस मामले की जानकारी की जाएगी, अगर चिकित्साधीक्षक द्वारा रात्रि विश्राम सीएचसी पर नही किया जा रहा है तो इस मामले में आगे की कार्रवाई करने के आदेश स्वास्थय विभाग को दिए जायेंगे।

- बृजेश पाठक, डिप्टी सीएम/स्वास्थय मंत्री उत्तर प्रदेश शासन।

गायब हुआ किशोर मिलने से परिजनों में खुशी की लहर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। विगत दिनो घर से अचानक गायब हुये किशोर को उसके रिश्तेदारो ने ढूंढ निकाला जिससे परिजनो मे खुशी की लहर दौड़ गई। नगर के मोहल्ला प्रेम चिरैया निवासी मेहराज का 14 वर्षीय पुत्र अल्तमश विगत 9 जून को घर से बिना बताए गायब हो गया था जिसकी गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी मेहराज ने बताया कि उसके एक रिश्तेदार ने उसे फोन करके बताया की अल्तमश उन्हे मिल गया है। जिस पर मेहराज ने दिल्ली जाकर पुत्र को लेकर थाने आए। पुलिस ने अल्तमस के बयान लेकर परिजनों के सुपुत्र कर दिया

डाक पर्यवेक्षक निलंबित, चार पर्यवेक्षकों को भी हटाया

- शाखा डाकपाल की मौत के बाद कार्रवाई, एटा के डाक अधीक्षक को दी जिम्मेदारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बिछवां/मैनपुरी। शाखा डाकपाल निखिल वर्मा की मौत के बाद डाक अधीक्षक एसके शुक्ला और डाक पर्यवेक्षक श्याम तिवारी पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। घटना के बाद दोनों के विरुद्ध थाना कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों कार्य स्थल से गायब हैं। मामले की जानकारी होने पर क्षेत्रीय कार्यालय से डाक अधीक्षक की जिम्मेदारी एटा के डाक अधीक्षक विजयवीर सिंह को दी गई है। विजयवीर सिंह ने डाक पर्यवेक्षक श्याम मुरारी तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं चार अन्य डाक पर्यवेक्षकों को भी डाक पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया है।

ज्ञात हो कि शाखा डाकपाल मुड़ई निखिल वर्मा का शव उसके पैतृक गांव रामनगर में बृहस्पतिवार को फंदे पर लटका मिला था। निखिल वर्मा की जेब से मिले सुसाइड नोट में डाक अधीक्षक सुशील कुमार शुक्ला और डाक पर्यवेक्षक श्याम मुरारी तिवारी पर प्रताड़ना के आरोप लगाए गए थे। मामले में शुक्रवार को जिले भर के शाखा डाकपालों ने प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी। जिलाधिकारी ने मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी थी। इस पर डाक विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय आगरा से आदेश जारी कर एटा के डाक अधीक्षक विजयवीर सिंह को मैनपुरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विजयवीर सिंह ने शनिवार की दोपहर मैनपुरी पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। विजयवीर सिंह ने तत्काल प्रभाव से डाक पर्यवेक्षक श्याम मुरारी तिवारी को निलंबित कर दिया। वहीं इंस्पेक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर भ्रष्टाचार के आरोप में डाक पर्यवेक्षक प्रवीण दुबे, जगपाल सिंह, विनोद पांडेय और अजय सिंह को भी डाक पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया है।

थाना क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी डाककर्मी की खुदकुशी के मामले में शनिवार दोपहर डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी और एसपी गणेश प्रसाद साहा ने रामनगर पहुंच कर मृतक के परिजन से मुलाकात की। घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों ने मौके पर सबसे पहले पहुंचने वाले तीन लोगों से भी पूछताछ की। अधिकारियों ने मृतक के पिता धर्मेंद्र सिंह व चाचा लखमीचंद्र को आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी। जल्द से जल्द अपराधी पकड़े जाएंगे।

क्या बोले प्रभारी डाक अधीक्षक

इंस्पेक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर डाक पर्यवेक्षक श्याम मुरारी तिवारी को निलंबित किया गया है। वहीं चार अन्य को भी उनके पद से हटा दिया गया है। जल्द ही नए डाक पर्यवेक्षकों की तैनाती की जाएगी। **-विजयवीर सिंह, प्रभारी डाक अधीक्षक, मैनपुरी।**

पट्टिया टीम ने गोविन्देपुर को हराकर फाइनल में किया प्रवेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। क्षेत्र के गांव अकबेलपुर में चल रहे वीरांगना अवन्तीबाई लोधी क्रिकेट टूर्नामेन्ट मे शनिवार को आयोजित दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले मे पट्टियां खुर्द की टीम ने गढ़िया गोविंदपुर को 4 विकेट से हराकर फाइनल मे प्रवेश किया।

शनिवार को आयोजित मुकाबले में गढ़िया गोविंदपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 129 रन बनाए जवाब में खेलने उतरी पट्टियां की टीम ने अंतिम ओवर में 4 विकेट से लक्ष्य को हासिल कर लिया जिसमें मनीष ने 55, छोटू ने 35 ,ऋषभ ने 25 विकाश ने 15 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिये मनीष कों मैन ऑफ द मैच का पुरूस्कार मुख्य अतिथि विमल राजपूत ने दिया। इस मौके पर महेशसिंह उपेंद्र राजपूत वीरेश कुमार सोनू रोहित शेखर प्रीतम चमन अंकुर हिमांशू सुमित मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

भूमि संबंधी विवादों को मौके पर जाकर किया जाएं निस्तारित

थाना समाधान दिवस में डीएम, एसपी ने बिछवां में सुनी शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा के साथ थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बिछवां में फरियादियों की शिकायतें सुनने के दौरान कहा कि जनपद में अधिकांश शिकायतें सार्वजनिक, निजी भूमि पर अवैध कब्जों की प्राप्त हो रही है, राजस्व, पुलिस विभाग अधिकारी, कर्मचारी आपस में समन्वय स्थापित कर सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करें, भविष्य में कहीं भी सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की शिकायतें प्राप्त हुई तो संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों पर थाने से ही राजस्व, पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी जाय और यथासम्भव उसी दिन समस्या का निदान किया जाये ताकि फरियादी को तत्काल राहत मिले, और आमजन के बीच संदेश पहुंचे कि शासन-प्रशासन उनकी शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण के प्रति संवेदनशील है।

थाना बिछवां में जन-शिकायतें सुनने के दौरान जिलाधिकारी के सम्मुख जब मिढ़ौली नि. लाखन सिंह ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से गाटा संख्या-09, 131 की लेखपाल द्वारा पैमाइश की गयी लेकिन गांव के दबंग लोग खेत पर कब्जा नहीं छोड़ रहे, शिकायतकर्ता ने उक्त गाटाओं की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाने की मांग की, जिस पर उन्होने तहसीलदार भोगांव, उप निरीक्षक देवेन्द्र कुमार, लेखपाल अंकित की संयुक्त टीम गठित कर मौके से ही समस्या का निदान हेतु भेजा, अडूपुर नि. अवधेश कुमार ने गाटा संख्या-383 का मौके पर रकवा कम होने, पड़ौसियों द्वारा मेड़ तोड़कर कब्जा करने की शिकायत करते हुए मॉग की कि उसकी गाटा संख्या-383 की पैमाइश कराकर पूरे रकवे पर दखल दिलाया जाये, जिस पर उन्होने थानाध्यक्ष औछा को आदेशित करते हुए कहा कि आज ही समस्या का निदान करायें, सभी पक्षों की मौजूदगी में राजस्व टीम के साथ पैमाइश कराकर शिकायतकर्ता को कब्जा दिलाया जाये।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों पर टीम गठित कर थाने की जीडी में अंकित कर मौके पर रवाना किया जाये और स्थल पर कार्यवाही के दौरान दोनों पक्षों के साथ कम से कम 02 संभ्रांत व्यक्तियों के भी हस्ताक्षर कराये जायें, वापस आने पर थाने की जीडी में मौके पर की गयी कार्यवाही का विवरण अंकित किया जाये।

दो दर्जन गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग दुर्दशा का शिकार

पूरा ही मार्ग गहरे गहरे गढड़ों में तब्दील, भरा रहता है बारिश का पानी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। दो दर्जन से अधिक गांवो को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग अपनी बदहाली पर आंशू बहा रहा है। इस मार्ग की दुर्दशा किसी भी जनप्रतिनिधि या सत्ताधारी दल के पदाधिकारियों को दिखाई नही देती हैं, हां इतना जरुर है गांव भी विधानसभा चुनाव का मौसम आता है तो इसी मार्ग से निकलकर प्रत्याशी वोट तो मांग आते है लेकिन जीतने के बाद फिर वापस पीछे मुडकर नही देखते है। ऐसा ही हाल वर्तमान जनप्रतिनिधि का है।

विकास खंड के गांव चन्द्रपुरा, सिढपुरा, आठपुरा, छत्तरपुर, रोशिंगपुर, सलेमपुर, दिहुली झिगरपुर, नगला इमलिया, नगला हरियाना, जुन्हैसा, सहूरिया आदि गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग नेशनल हाईवे के बाईपास स्थित सिरसा मार्ग के पास अंडरपास से संपर्क मार्ग जाता है।

यह मार्ग कुरावली रजबहा के किनारे होकर गया है। इस मार्ग का निर्माण पिछली साल रोशिंगपुर मोड़ तक कराया गया था, लेकिन वर्तमान में पूरा ही मार्ग गहरे गढड़ो में तब्दील हो चुका हैं, इन गढड़ो में वारिश का पानी भर जाता है तब दो दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मानसून के आगमन के बाद क्या हाल होगा

दो दर्जन से अधिक गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर हुए गहरे गढड़ो में अभी से पानी भर जाता है जिसके बाद ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो जाता है लेकिन अभी तो मानसून की वारिश भी नही हुई है जब मानसून की बारिश होगी तब क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगना किसी के लिए मुश्किल काम नही है।

संपर्क मार्ग का निर्माण कराने की मांग

ग्रामीण राजपाल सिंह वर्मा पूर्व प्रधान, शंभू दयाल वर्मा, बांकेलाल, अशोक राजपूत, परमसुख लोधी, महीपाल लोधी, अजय पाल राजपूत, अवधेश कठेरिया, सुधीर कठेरिया, प्रमोद राजपूत, दुर्वेश राजपूत, हरिराम वर्मा, हरवेश राजपूत चंद्रभान सिंह राजपूत, चंद्रवीर लोधी, श्रीपाल लोधी, राम बहादुर राजपूत, ओमप्रकाश लोधी अतर सिंह राजपूत, ठाकुर दास राजपूत आदि ने गली का निर्माण कराए जाने की मांग मुख्यमंत्री से की है।

मामले से बाद में अवगत कराने को कहा

लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड के अधिशाषी अभियंता भूकेश कुमार ने किसी दूसरे काम में व्यस्त होने की बात कहते हुए अगले दिन मामले से अवगत कराने को कहा है। अब उन्हे इस मामले से सोमवार को अवगत कराया जाएगा।

अर्जुनदेव का पूरा जीवन मानव जीवन को समर्पित रहा

गुरूद्वारे मे चल रहा अर्जुन देव का बलिदानी सप्ताह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने अपना पूरा जीवन अध्यात्म और मानव सेवा को समर्पित किया था तथा उन्होंने मानव धर्म को ही सर्वोच्च बताया था। यह विचार नगर की मोहल्ला सिंधी गली में स्थित गुरुद्वारा की ग्रंथी दलजीत कौर ने गुरु अर्जन देव के ब लिदानी सप्ताह के तीसरे दिन वाणी विचार के दौरान व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जन देव ने सिखों के अध्यात्म गुरु ग्रंथ साहिब में हिंदू, मुस्लिम सहित सभी विद्वानों की वाणी समाहित किया था। वह सभी धर्मों का समान सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जन देव दीन दुखी संगत की सेवा में लगे रहते थे उन्होंने अपने अनुयायियों को भी मानव सेवा करने का संदेश दिया था। ग्रंथी ने कहा कि गुरु अर्जुन देव मानवता के सच्चे सेवक, धर्म के रक्षक, शांत और गंभीर स्वभाव के स्वामी थे। वह अपने युग के सर्व मान्य लोकनायक थे। गुरु जी को ब्रह्म ज्ञानी भी कहा जाता था। पूर्व में सुखमणि साहब एवं वाहेगुरु गुरमंत्र का जाप किया गया तथा शब्द कीर्तन का कार्यक्रम हुआ अंत में अरदास कर प्रसाद व लंगर वितरित किया गया। इस मौके पर सरदार सतनाम सिंह, हरबंस लाल अरोड़ा, दलजीत सिंह, जोगेंद्र लाल, नरेंद्र सलूजा, सहेंद्र लाल, अमित अरोड़ा, शालू सलूजा,अर्षदीप कौर, तुषार सलूजा आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी जागरण मंच का जिला स्तरीय विचार एवं प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

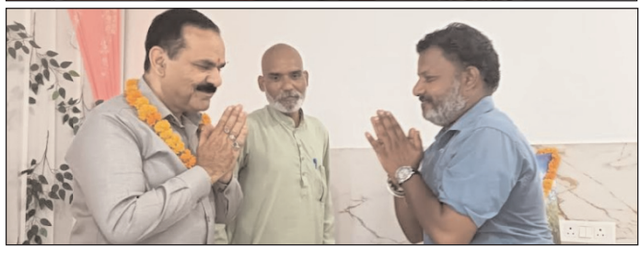

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से जिला स्तरीय विचार एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वदेशी विचारधाराए आत्मनिर्भर भारत के निर्माणए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और देश की आर्थिक मजबूती को लेकर कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉण अमितेश अमितए क्षेत्रीय संयोजकए स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि स्वदेशी अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और स्थानीय व्यापारियोंए कारीगरों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कार्यकताओं से स्वदेशी विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अभिनव कश्यपए प्रांत उपाध्यक्ष सहकार भारती ने सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। मनोज अग्रवालए बृज प्रांत संयोजकए स्वदेशी जागरण मंच ने संगठन की कार्यप्रणालीए आगामी कार्यक्रमों और स्वदेशी अभियान को जन.जन तक पहुंचाने की योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। शिविर में कार्यकताओं को संगठन विस्तारए जनसंपर्कए स्वदेशी उत्पादों के प्रचार.प्रसार और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी केवल खरीदारी का विषय नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना है। कार्यक्रम में दीपक कुमार कश्यपए जिला संयोजक स्वदेशी जागरण मंच हरिगढ़ए ललित वार्ष्णेयए महानगर संयोजक स्वदेशी जागरण मंचएअरविंद मिश्रा सहित मंच के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान आशीष सैनीए प्रदीप गुप्ताए शशिकांत वार्ष्णेयए विनोद दिवाकरए अभिषेक गिरीए राहुल वार्ष्णेयए कपिल जीवनए एडवोकेट हरीश राठौर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिविर का समापन स्वदेशी अपनाने और भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

टप्पल में दबंगों ने घर में घुसकर वृद्ध महिला पर किया जानलेवा हमला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ रू टप्पल थाना क्षेत्र के काजीपाड़ा में दबंगों द्वारा घर में घुसकर एक वृद्ध महिला पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़िता आसमा ने बताया कि पड़ोसी इरफान ने शराब के नशे में घर के बाहर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उसकी सास बुनदो ने इसका विरोध किया तो इरफान अपने साथियों के साथ घर में घुस आया और मारपीट शुरू कर दी। हमले में वृद्धा बुनदो के सिर व माथे पर गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट में उनके दो दांत भी टूट गए। परिजन घायल अवस्था में उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद काजीपाड़ा में तनाव का माहौल है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। टप्पल थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना में लापरवाही पर सख्तीः 11 प्रगणकों का वेतन रोका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। भारत सरकार के महत्वपूर्ण जनगणना अभियान में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। तहसील कोल क्षेत्र में मकान सूचीकरण कार्य में धीमी प्रगति पर 11 प्रगणकों का वेतन रोक दिया गया है। सभी प्रगणक शिक्षक हैं। उपजिलाधिकारी कोल ने पत्र जारी कर बताया कि वर्तमान में जनगणना अभियान का प्रथम चरण चल रहा है, जिसमें मकान सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए शिक्षकों को प्रगणक एवं सुपरवाइजर नियुक्त किया गया है। समीक्षा में पाया गया कि कुछ प्रगणकों की कार्य प्रगति अत्यंत असंतोषजनक रही और वे निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूरा नहीं कर सके। जिन प्रगणकों का वेतन रोकने की संस्तुति की गई है, उनमें दीपिका वर्मा, प्रियांशु जे.के., गिरीश कुमार शर्मा, संगीता पुष्पेंद्र मौर्य, शारिक परवेज, गिरीश कुमार, विपिन कुमार, मनोज कुमार वार्ष्णेय, शिखा त्यागी, चंद्रकांता एवं कीर्ति सिंह शामिल हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. प्रशांत शर्मा ने प्रगणकों का वेतन रोकने पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर पहले से ही शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक कार्यों का दबाव है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला, मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना दादों क्षेत्र के गांव अजवानठेर में शुक्रवार शाम एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 25 वर्षीय आरती पुत्री मुनीश के रूप में हुई है। वह गांव नागर की रहने वाली थी। आरती की शादी करीब 6 साल पहले गांव अजवानठेर निवासी लालू के साथ हुई थी। आरती के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग कर उसे प्रताड़ित करते थे। इसी वजह से आरती कई बार मायके आकर महीनों तक रही थी। शुक्रवार शाम मायके वालों को ससुराल पक्ष से आरती के सुसाइड करने की सूचना मिली। शाम 6:30 बजे पहुंचे तो फंदे पर लटका मिला शव सूचना पर जब मायके पक्ष के लोग शाम करीब 6:30 बजे ससुराल पहुंचे तो आरती का शव फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर आरती की हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया। घटना के बाद शनिवार को थाना दादों पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

नाले में मिले शव की शिनाख्त, राया निवासी मजदूर निकला मृतक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना गोरई क्षेत्र के बेसवां के पास नाले में मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान हो गई है। मृतक राया निवासी 32 वर्षीय कुंज बिहारी है, जो बेसवां स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में मजदूरी करता था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, 9 जून को कोल्ड स्टोरेज की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुंज बिहारी अचानक लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। शुक्रवार को बेसवां के पास एक नाले में युवक का शव पड़ा मिला था। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया था। शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों ने शव की पहचान कुंज बिहारी के रूप में की। परिजनों का कहना है कि कुंज बिहारी की हत्या कर शव नाले में फेंका गया है। थाना गोरई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। मामले की जांच की जा रही है।

3 साल से अटके 22 श्रमिक परिवारों को राहत, 51 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना के तहत पिछले तीन साल से लंबित 22 श्रमिक परिवारों को अब राहत मिलने जा रही है। श्रम विभाग ने कुल 51 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर दी है। लाभार्थियों के नाम फिक्स्ड डिपॉजिट बनाने की प्रक्रिया बैंक में शुरू हो चुकी है। उप श्रम आयुक्त नदीम अहमद ने बताया कि इन मामलों में भुगतान न होने का कारण विभागीय लापरवाही नहीं, बल्कि पोर्टल संबंधी तकनीकी बाधाएं थीं। निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का पोर्टल तकनीकी कारणों से करीब 18 माह तक प्रभावित रहा। साथ ही सिंगल नोडल एजेंसी प्लेटफॉर्म पर आवेदन लाइव न होने से भुगतान प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। समस्या के समाधान के लिए 1 जून 2026 को बोर्ड की तकनीकी टीम के साथ विस्तृत बैठक की गई। इसके बाद सभी आवेदनों को पोर्टल पर दोबारा सक्रिय किया गया। 2 जून 2026 को सभी 22 पात्र आवेदनों पर कार्रवाई पूरी कर कुल 51 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। 4 जून 2026 को चेक संख्या 186660 के माध्यम से 51 लाख रुपये की धनराशि पंजाब नेशनल बैंक फॉर एमआईएस के नाम निर्गत की गई। 9 जून को लाभार्थियों की सूची पंजाब नेशनल बैंक, सिविल लाइंस, मैरिस रोड, अलीगढ़ को भेज दी गई है। उप श्रम आयुक्त ने बताया कि बैंक में पात्र लाभार्थियों एवं आश्रितों के नाम फिक्स्ड डिपॉजिट बनाने की प्रक्रिया चल रही है। बैंक स्तर की औपचारिकताएं पूरी होते ही एफडी लाभार्थियों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग निर्माण श्रमिकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी, बड़ा हादसा टला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ से दिल्ली जा रही गाड़ी संख्या 64167 ईएमयू पैसेंजर ट्रेन में सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन के कंप्रेसर की बॉडी फटने से कोच में अचानक धुआं भर गया, जिससे यात्रियों में खलबली मच गई। जानकारी के अनुसार, ईएमयू पैसेंजर ट्रेन सुबह करीब 8:45 बजे अलीगढ़ स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। जैसे ही ट्रेन 8:51 बजे गेट संख्या 110 सीमा क्रॉसिंग के पास पहुंची, तभी कंप्रेसर में तेज धमाके जैसी आवाज हुई। कंप्रेसर की बॉडी फटने से कोच में धुआं भरने लगा। कोच में धुआं उठता देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्री घबराकर कोच से बाहर निकल आए। ट्रेन पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया और कंट्रोल रूम को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक मुकेश उपाध्याय, सहायक स्टेशन मास्टर राजा बाबू, टीएक्सआर विभाग के अनिल कुमार, आरपीएफ, जीआरपी तथा रेलवे के मैकेनिक और तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। तकनीकी टीम ने कंप्रेसर की जांच शुरू कर दी है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री सुरक्षित हैं। जांच के बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। घटना के कारणों की तकनीकी जांच की जा रही है।

महुआखेड़ा पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना महुआखेड़ा पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी चेक बाउंस के मामले में न्यायालय से जारी वारंट के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त चित्रांशु सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी गीता विहार कॉलोनी, सुखरावली, रामघाट रोड, थाना महुआखेड़ा का रहने वाला है। उसके खिलाफ केस नंबर 492/25 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत मामला दर्ज है। न्यायालय द्वारा जारी वारंट के क्रम में पुलिस टीम ने उसे थाना क्षेत्र महुआखेड़ा से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल अजीम खान और कांस्टेबल टेकन सिंह की टीम ने अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। ईएमयू पैसेंजर ट्रेन के कंप्रेसर की बॉडी फटी, कोच में धुआं भरने से यात्रियों में मची अफरा-तफरी

चेकिंग के दौरान तीन शातिर हथियार तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में अवैध असलहा बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। जनपद में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मटसेना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। बरामदगी में दो पिस्टल, एक रिवॉल्वर, आठ तमंचे तथा 24 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में चलाए जा रहे संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना मटसेना पुलिस टीम शनिवार को क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रसीदपुर कनैटा मार्ग पर हाईवे से एनएच-2 की ओर जाने वाले रास्ते पर पुलिस को कुछ संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका एक साथी अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरविंद कुमार पुत्र राजवीर सिंह निवासी थकावन, थाना सकरौली जनपद एटा, अजय यादव उर्फ गिल्ला पुत्र मदन लाल निवासी समोगर, थाना बमरोली कटारा जनपद आगरा तथा श्रीकांत उर्फ तव्वा पुत्र मोरध्वज निवासी उदयपुर, थाना बरहन जनपद आगरा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल 32 बोर, दो मैगजीन, छह जिंदा कारतूस 32 बोर, एक रिवॉल्वर 32 बोर, तीन तमंचे 12 बोर, दस जिंदा कारतूस 12 बोर, पांच तमंचे 315 बोर तथा आठ जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किए गए। इतनी बड़ी मात्रा में हथियार मिलने से पुलिस भी सतर्क हो गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद हथियार उन्होंने रामू और मनोज नामक व्यक्तियों से खरीदे थे। पुलिस अब इन दोनों की तलाश में भी जुट गई है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है।

गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि फरार आरोपी गौरव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद हथियारों के स्रोत, उनके इस्तेमाल और आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी गहन जांच की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी हुई है।

शिकंजी पीते समय काटी थी जेब, पुलिस ने राजस्थान निवासी आरोपी को दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस ने जेबकतरी और चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए आभूषणों को बेचकर प्राप्त 15 हजार रुपये नकद तथा एक अवैध छुरा बरामद किया है। मामले में पुलिस ने अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 6 मई 2026 को हेमंत कुमार पुत्र जितेंद्र सिंह निवासी नानेमऊ थाना नसीरपुर ने थाना शिकोहाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वह तहसील तिराहा शिकोहाबाद पर शिकंजी पी रहे थे, तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पैंट की पिछली जेब काटकर उसमें रखे कीमती सामान और आभूषण चोरी कर लिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने घटना के खुलासे के लिए सुरागरसी और तकनीकी जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान मिले सुरागों के आधार पर थाना शिकोहाबाद पुलिस ने शनिवार को वांछित आरोपी मानू उर्फ मोनू पुत्र हेमराज निवासी लक्ष्मीपुरा, थाना छबड़ा, जिला बारां (राजस्थान) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए आभूषणों को बेचकर प्राप्त 15 हजार रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध छुरा भी मिला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं।

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। शिकोहाबाद पुलिस की इस कार्रवाई को जेबकतरों और चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर बच्चों को शिक्षा का संदेश, बालश्रम के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर कोमल फाउंडेशन द्वारा बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंदिरा नगर स्थित सखी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र और गंगानगर स्थित कोमल पाठशाला में आयोजित कार्यक्रम में बालश्रम उन्मूलन, शिक्षा के महत्व और बच्चों के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार राजौरिया ने कहा कि बालश्रम बच्चों के बचपन, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बालश्रम के कारण बच्चे न केवल शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

अश्वनी राजौरिया ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को मजदूरी या अन्य श्रम कार्यों में लगाने के बजाय उन्हें विद्यालय भेजें, ताकि वे शिक्षित होकर समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित बच्चा ही परिवार, समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकता है। उन्होंने कहा कि बालश्रम मुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बालश्रम के दुष्परिणामों, शिक्षा के महत्व और उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बताया गया।

इस जागरूकता कार्यक्रम में सती महारानी जनकल्याण ट्रस्ट एवं सहायता संपर्क संस्था का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कोमल फाउंडेशन के वालंटियर नरेंद्र कुमार, सखी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षिका रेनू, कोमल पाठशाला की शिक्षिका पूजा यादव, सोनी गुप्ता, सौरवी, दीक्षा कुमारी, विनय कुमार, हिमांशी, अनन्या मिश्रा, देव कुमार, रजनी सहित बड़ी संख्या में बच्चे, अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने बालश्रम के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया। इससे समाज में बालश्रम उन्मूलन और शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

निबंधन कार्यालयों के निजीकरण के विरोध में तीसरे दिन भी हड़ताल जारी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निबंधन (रजिस्ट्री) कार्यालयों के कार्यों को निजी कंपनियों को सौंपने के प्रस्ताव के विरोध में अधिवक्ताओं, कातिबों, स्टाम्प विक्रेताओं एवं टाइपिस्टों का आंदोलन शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। उप-पंजीयक (रजिस्ट्री) कार्यालय सिकंदराराऊ परिसर में धरना-प्रदर्शन और कलमबंद हड़ताल आयोजित की गई।धरने की अध्यक्षता दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डी.के. शोला चौहान एडवोकेट ने की। इस दौरान दी बार एसोसिएशन, सिविल बार एसोसिएशन, कातिब एसोसिएशन, स्टाम्प विक्रेता एसोसिएशन एवं टाइपिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एकजुट होकर प्रस्तावित निजीकरण का विरोध किया।धरना समाप्त होने के बाद अधिवक्ताओं और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने नगर के प्रमुख मार्गों पर पैदल मार्च निकाला। इसके बाद राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर निबंधन विभाग के निजीकरण के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की।वक्ताओं ने कहा कि निबंधन कार्यालयों का निजीकरण पारदर्शिता और जवाबदेही को प्रभावित करेगा तथा अधिवक्ताओं, कातिबों, स्टाम्प विक्रेताओं, टाइपिस्टों सहित इस व्यवस्था से जुड़े हजारों लोगों के रोजगार पर प्रतिकूल असर डालेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने प्रस्ताव वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डी.के. शोला चौहान ने आंदोलन को जनहित और रोजगार से जुड़ा बताते हुए सभी सामाजिक, राजनीतिक एवं किसान संगठनों से समर्थन की अपील की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और प्रदेश की सभी बार एसोसिएशनों से भी निजीकरण के विरोध में एकजुट होकर आंदोलन का समर्थन करने का आह्वान किया।धरना-प्रदर्शन में जितेंद्र यादव, युवराज सिंह चौहान, नरेश प्रताप, गौरी शंकर गुप्ता, देवेंद्र दीक्षित, जय प्रकाश गुप्ता, रनवीर सिंह, मुरारी लाल शर्मा, विपिन कुमार, सुरेश चंद्र, राधेश्याम यादव, महेश चंद्र अंजाना, ब्रजेश यादव, प्रमोद बघेल, महेंद्र सिंह यादव, वीरपाल सिंह यादव, अवनेश कुमार शर्मा, भरत सिंह कुशवाह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, कातिब, स्टाम्प विक्रेता और टाइपिस्ट मौजूद रहे।

खिजरपुर में धूमधाम से मनाई गई वीर शिरोमणि ठाकुर धीर सिंह पुंढीर की जयंती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अगसौली मंडल के अंतर्गत गांव खिजरपुर में वीर शिरोमणि महान योद्धा ठाकुर धीर सिंह पुंढीर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक सुरेश प्रताप गांधी ने की, जबकि संचालन सुनील पुंढीर और प्रवीण पुंढीर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वीर योद्धा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम संयोजक अभय प्रताप सिंह पुंढीर ने अतिथियों का पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर एमएलसी मानवेन्द्र सिंह, विधायक वीरेंद्र सिंह राणा और पूर्व विधायक यशपाल सिंह चौहान ने कहा कि ठाकुर धीर सिंह पुंढीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान के शासनकाल के वीर सेनापति थे। उनका जीवन साहस, त्याग, स्वाभिमान और धर्म रक्षा के लिए समर्पित रहा तथा उनके आदर्श आज भी समाज को राष्ट्रहित और संस्कृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण शिव कुमार ने सुजावलपुर में महापुरुषों के नाम पर एक सार्वजनिक पार्क बनाने और उसमें ठाकुर धीर सिंह पुंढीर की प्रतिमा स्थापित कराने की मांग उठाई। वहीं अभय प्रताप सिंह पुंढीर ने बताया कि गांव डंडेसरी में भी ठाकुर धीर सिंह पुंढीर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसका शिलान्यास पूर्व में हो चुका है और निर्माण कार्य जारी है।इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह पुंढीर, सत्यपाल सिंह राघव, देवेंद्र राघव, केपी सोलंकी, अनिल पुंढीर, जगवीर सिंह, नरेश नंदन, विवेकशील राघव, सुशील राघव, भूपेंद्र चौहान, शिवकुमार पुंढीर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

संस्कार भारती की पारंपरिक विवाह गीत कार्यशाला संपन्न, बाल प्रतिभागी सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। संस्कार भारती के तत्वावधान में लक्ष्मी नगर स्थित सेंट आरएच कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित पारंपरिक विवाह गीत कार्यशाला शनिवार को संपन्न हो गई। समापन अवसर पर बाल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जेल विजिटर अनु विमल ने की। मुख्य अतिथि आशुकवि अनिल बौहरे ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें लक्खी मेला और श्री दाऊजी महाराज के कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा, जो उनके लिए गौरव की बात होगी।संस्कार भारती के जिला उपाध्यक्ष एवं पंडित नथाराम गौड़ स्वांग परंपरा के लिए समर्पित डॉ. खेमचंद्र यदुवंशी ने कहा कि लुप्त होती लोक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।इससे पूर्व संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष चेतन उपाध्याय ने प्रशिक्षिका ज्योति सहित सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष श्यामबाबू चिंतन, महामंत्री एआर शर्मा, प्रवक्ता पूरन सागर, जीवन लाल शर्मा, हेमेंद्र शर्मा, कुलदीप निबौरिया, प्रवीन कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर आज लगेगा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 200 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (एडीएचआर) के तत्वावधान में 14 जून को प्रातः 9 बजे से माहौर गेस्ट हाउस, मुरसान गेट पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर की तैयारियां पिछले लगभग एक माह से चल रही हैं। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह शिविर संस्था का सबसे बड़ा रक्तदान अभियान माना जाता है। इस बार 200 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उन्होंने बताया कि रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रत्येक रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र तथा 10 लीटर क्षमता का मिल्टन वाटर कैम्पर उपहार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।संस्था ने युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान शिविर में भाग लेने की अपील की है। पदाधिकारियों का कहना है कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है और विश्व रक्तदाता दिवस पर आयोजित यह अभियान मानव सेवा और सामाजिक दायित्व का प्रेरणादायी संदेश देगा।रक्तदान के लिए अपील करने वालों में प्रवीण वार्ष्णेय, देवेंद्र गोयल, कमलकांत दोबरावाल, सोनल अग्रवाल, शैलेन्द्र सांवलिया, पूजा वार्ष्णेय, अनिल अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, राजेश वार्ष्णेय और मुरारी चौधरी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियाद, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने कोतवाली मुरसान में फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भूमि विवादों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम से मौके पर जांच कराने तथा प्रत्येक शिकायत का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध कब्जों और अतिक्रमण के मामलों में समन्वित कार्रवाई करने तथा थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने पर जोर दिया।पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय और प्रभावी प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराना है।इस दौरान क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने सीएचसी मुरसान का किया औचक निरीक्षण, दो चिकित्सकों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मुरसान का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी पर तैनात मेडिकल ऑफिसर अनुपस्थित मिले। इसके अलावा चिकित्सक डॉ. विनीत सक्सेना भी अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संबंधित चिकित्सकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण में ओपीडी सेवाएं सुचारु रूप से संचालित होती मिलीं तथा चिकित्सक मरीजों का उपचार करते पाए गए। अस्पताल में एंटी-रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता भी संतोषजनक मिली।जिलाधिकारी ने भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों और तीमारदारों के लिए पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा अस्पताल परिसर की पार्किंग व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य सेवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

ऑपरेशन दहन के तहत जीआरपी ने नष्ट किया 48 किलो से अधिक मादक पदार्थ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी टूंडला ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो एनडीपीएस मामलों में बरामद 48 किलो से अधिक मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण कराया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में गांजा और डोडा को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। पुलिस महानिदेशक रेलवे, उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे "ऑपरेशन दहन" के अंतर्गत नारकोटिक्स पदार्थों के निस्तारण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक रेलवे आगरा के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी रेलवे इटावा के निकट पर्यवेक्षण में थाना जीआरपी टूंडला द्वारा मादक पदार्थों के विनिष्टीकरण की कार्रवाई संपन्न कराई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार एनडीपीएस एक्ट से संबंधित दो अभियोगों में बरामद 13.05 किलोग्राम गांजा एवं 35.16 किलोग्राम डोडा को न्यायालय से प्राप्त आदेश के अनुपालन में नष्ट किया गया। इस प्रकार कुल 48.21 किलोग्राम मादक पदार्थ का विनिष्टीकरण कर अवैध नशा कारोबार के खिलाफ सख्त संदेश दिया गया। विनिष्टीकरण की कार्रवाई एत्मादपुर स्थित जेआरआर वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में संपन्न कराई गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रेलवे आगरा की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य क्षेत्राधिकारी रेलवे इटावा उदय प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी रेलवे आगरा राजेश दीक्षित, जीआरपी टूंडला प्रभारी निरीक्षक मोनू कुमार आर्य, वरिष्ठ उपनिरीक्षक मंधीर सिंह तथा अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में हुआ शिकायतों का त्वरित निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी कोतवाली परिसर में शनिवार को एसडीएम नीरज शर्मा की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस में एसडीएम ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। शनिवार को लगाए गये थाना समाधान दिवस में कुल आधा दर्जन शिकायतें दर्ज की गईं। जिसमें शिकायतों में से कई शिकायतों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। समाधान दिवस का संचालन प्रभारी निरीक्षक विपिन चैधरी ने किया। इस अवसर पर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें एसएसआई सनी पवार, एसआई दीपक शुक्ला, राजस्व निरीक्षक प्रमोद अग्निहोत्री एवं क्षेत्र के लेखपाल शामिल रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की मंसा के अनुरूप शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण उनकी प्राथमिकता है, ताकि फरियादियों को बार-बार चक्कर न काटने पड़ें।

वीडियो में कैद हुई गुंडई, बच्चियों और महिलाओं को गालियां देने वाले कदीर पर गैर-जमानती मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहपुर सीकरी। कस्बे के मुख्य बाजार में महिलाओं और छोटी बच्चियों के साथ अभद्रता, गाली-गलौज तथा धार्मिक स्थल और इमाम को लेकर कथित आपत्तिजनक धमकियां देने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो और ऑडियो सामने आने के बाद फतेहपुर सीकरी पुलिस ने आरोपी अब्दुल कदीर पुत्र कलीम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस को दी गई शिकायत में कस्बा निवासी गुड्डू पुत्र हाजी सलीम ने आरोप लगाया है कि वह पिछले 31 वर्षों से मोती बाग स्थित धार्मिक स्थल की देखरेख का कार्य कर रहा है। शिकायत के अनुसार 12 जून 2026 की शाम आरोपी अब्दुल कदीर उसकी दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोप है कि इस दौरान उसने महिलाओं और छोटी बच्चियों के सामने भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसके भतीजे अजीम के साथ भी हाथापाई की और पूर्व में भी कई बार धमकी दे चुका है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ दिन पहले आरोपी अपने 4-5 साथियों के साथ बाजार में मिला था और धमकाते हुए कहा था कि उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे चल रहे हैं और एक और सही। शिकायतकर्ता ने पूरी घटना के वीडियो और ऑडियो साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने मस्जिद के इमाम को मारने-पीटने तथा धार्मिक स्थल को नीलाम कराने जैसी धमकियां दीं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं और क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामले की जांच के बाद थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस ने आरोपी अब्दुल कदीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता धारा 115(2), 352, 351(2), 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इनमें धारा 351(3) को गंभीर और गैर-जमानती श्रेणी की धारा माना जाता है। थाना प्रभारी आनंद वीर सिंह ने बताया कि शिकायत के साथ उपलब्ध कराए गए वीडियो और ऑडियो साक्ष्यों का संज्ञान लिया गया है। प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चियों और सामाजिक सौहार्द के खिलाफ किसी भी प्रकार की हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चियों के साथ अभद्र व्यवहार तथा धमकी जैसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि कानून का भय बना रहे और क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित न हो। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो और ऑडियो साक्ष्यों के सामने आने के बाद आरोपी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

सासनी में आचार्य दीनबंधु दास जी महाराज ने सुनाई श्री राम जन्म की कथा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-रुदायन मार्ग स्थित विवाह वन मैरिजहोम में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान मुख्य वक्ता दीनबंधु दास जी महाराज ने प्रभु श्री राम के प्राकट्य की मनोहारी कथा का वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित भक्त भाव-विभोर हो गए।

शनिवार को कथा के दौरान जैसे ही महाराज जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म का प्रसंग सुनाया, पूरा पांडाल जय श्री राम और अवधपुरी में भयो उजियारा के जयघोष से गूंज उठा। कथावाचक ने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म का भार बढ़ा है, तब-तब भगवान ने किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि श्री राम का जन्म केवल असुरों के संहार के लिए नहीं, बल्कि मानव समाज को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देने के लिए हुआ था। दीनबंधु दास जी महाराज ने कहा कि श्री राम का जीवन मयार्दा का पर्याय है। हमें उनके जीवन से धैर्य, अनुशासन और आज्ञाकारिता के गुणों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रभु की कथा सुनने से मन की शुद्धि होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कथा समापन के पश्चात प्रभु श्री राम की आरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया।

देशी शराब तस्कर गिरफ्तार तीस क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी कोतवाली पुलिस ने जनपद में अपराधों की रोकथाम और अवैध शराब के तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सटीक सूचना पर अवैध देशी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। शनिवार को प्रभारी निरीक्षक श्रीमती विपिन चैधरी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध शराब के साथ गांव लहौर्रा पुलिया की ओर जा रहा है। पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लिया और पुलिस टीम ने फौरी कार्रवाई करते हुए गांव लौहर्रा स्थित नहर की पुलिया को रूख किया। तो देखा कि एक युवक पुलिस को देखकर भाग रहा है। पुलिस ने भी आवश्यक कार्रवाई करते हुए भाग रहे युवक को दौड लगाकर पकड लिया। और उसे कोतवाली ले आए। जहां युवक की जामा तलाशी में पुलिस ने तीस क्वाटर अवैध देशी शराब के क्वाटर बरामद किए। पुलिस ने युवक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृतकर विधिक कार्रवाई की है। पूछताछ में युवक ने पुलिस को अपना नाम व पता मिथुन कुमार पुत्र महेन्द्र सिंह गांव जिरौली बताया है। शराब तस्कर को पकडने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक श्रीमती विपिन चैधरी और उनकी टीम सदस्य शामिल थे।

मुबारिकपुर कपसिया में रात्रि चौपाल, ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड सिकंदराराऊ की ग्राम पंचायत मुबारिकपुर कपसिया में विधायक वीरेंद्र सिंह राणा की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना रहा।विधायक वीरेंद्र सिंह राणा ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण, धार्मिक स्थलों के विकास और मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। साथ ही सिकंदराराऊ में बस स्टैंड निर्माण के लिए भी शासन से धनराशि स्वीकृत हो चुकी है।चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। गर्भवती महिलाओं को पोषण डलिया प्रदान की गई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया।कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के एलईडी प्रचार वाहन के माध्यम से सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया गया।कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सिकंदराराऊ, खंड विकास अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बेकाबू ट्रक ने खड़ी बाइक को मारी टक्कर हजारों का नुकसान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत अलीगढ़ रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी के निकट एक तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी एक बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई जिससे बाइक स्वामी का हजारों रुपये का नुकसान हो गया। शनिवार को मिली जानकारी के कस्बा निवासी प्रतीक अपनी बाइक को पुरानी सब्जी मंडी के पास अलीगढ़ रोड पर सडक के किनारे खड़ी कर नजदीकी दुकानदार से सामान खरीद रहा था, इसी दौरान अलीगढ़ की तरफ जा रहे एक अनियंत्रित ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए खड़ी बाइक में टक्कर मार दीं जिससे बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। भीड़ को इकट्ठा होते देख आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित मौके भागने की कोशिश करने लगा मगर भीड़ ने चालक को दबोच लिया और संभ्रांत लोगों ने दोनों पक्षों में सुलह करा दी। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बाइक पर कोई बैठा नहीं था, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी।

मानवाधिकार मिशन का 15वां स्थापना दिवस कासगंज के प्रभु पार्क में धूमधाम से मनाया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। मानवाधिकारों की रक्षा एवं जनजागरूकता के लिए कार्यरत मानवाधिकार मिशन का 15वां स्थापना दिवस कासगंज स्थित प्रभु पार्क में उत्साह और गरिमामय वातावरण के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में मिशन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने मानवाधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समानता और न्याय का अधिकार है। मानवाधिकार मिशन पिछले 15 वर्षों से समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

स्थापना दिवस समारोह में मिशन की उपलब्धियों पर चर्चा की गई तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

वक्ताओं ने युवाओं से मानवाधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सामाजिक कार्य करने वाले सदस्यों एवं समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को और अधिक आकर्षक बना दिया। उपस्थित लोगों ने मानवाधिकारों की रक्षा और समाज में भाईचारा एवं समानता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। समारोह के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान अमृता सिंह जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, अंकित वर्मा उपाध्यक्ष, हंसमुखी उपाध्याय, जितेन्द्र कुमार प्रवक्ता , रितेश सिंह चैहान तहसील अध्यक्ष, मयंक, शशि कुमार, मुकुंदी लाल, ऋषभ ठाकुर, तेजवीर सिंह, विशाल, नवीन, लखनप्रताप, मानपाल सिंह, श्वेता वर्मा, विजय वर्मा, लता देवी, शशि दीक्षित, शालू गुप्ता, ऊषा, इंद्रा विजय, पूनम उपाध्य मिशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका परिषद सोरों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

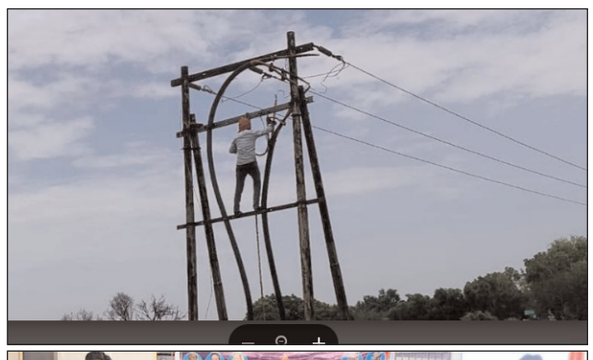

कासगंज। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद सोरों द्वारा काशीराम आवास कॉलोनी में विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदर विधायक देवेन्द्र सिंह राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सोरों के अध्यक्ष पंडित रामेश्वर दयाल महेरे ने नागरिकों से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान सफाई कार्य कर लोगों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारीगण एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। स्वच्छ सोरों, सुंदर सोरों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

अमांपुर के 60 गावों में 15 घंटे की विधुत कटौती से लोग हुए परेशान

शुक्रवार की रात को बड़ी लाइन में ब्रेक डाउन होने से 15 घंटे बत्ती गुल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर कस्बा और ग्रामीण क्षेत्र में भीषण गर्मी के कारण कई दिनों से गड़बड़ाई विधुत व्यवस्था शुक्रवार की रात को भी धड़ाम हो गई। 33 हजार की बड़ी लाइन में ब्रेक डाउन हो जाने से रात 2 बजे से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। जो कि अगले दिन शनिवार की शाम 5 बजे बहाल हो सकी। इससे 60 ग्रामों में लोगों को 15 घंटे तक बिजली की समस्या से परेशान रहना पड़ा। लगातार 15 घंटे बिजली ना आने से लोग दैनिक कार्यों के लिए तो दूर पेयजल के लिए भी तरस गए। घरों और दुकानों में लगे इन्वर्टर बिजली न आने से डिस्चार्ज हो गए। वहीं मोबाइल फोन भी डिस्चार्ज हो जाने से दूर संचार टूट गया। रात में बिजली ना आने के कारण सर्वाधिक परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ी। रात में विधुत आपूर्ति ठप होने से लोगों को मच्छरों के प्रकोप का सामना करना पड़ा। रात जागकर काटी। शुक्रवार की रात 2 बजे अचानक 33 हजार की बड़ी लाइन जल जाने से सप्लाई ठप हो गई। जिससे कस्बा और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। क्षेत्र में 15 घंटे बिजली का संकट बना रहा। विधुत आपूर्ति ठप होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे कस्बा और 60 गांव को विधुत आपूर्ति न मिलने से लोगों ने रात जागकर काटी। मच्छरों के कारण लोग सो भी ना सके। दिन में पेयजल की भी समस्या रही। जेई रामजीत राम ने बताया कि 33 केवी की लाइन में ब्रेक डाउन हो जाने से क्षेत्र की विधुत सप्लाई बाधित बनी हुई थी। लाइनमैनों के द्वारा फॉल्ट को ठीक कराकर शाम 5 बजे आपूर्ति सप्लाई सुचारू करा दी गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र में नगला खंगार के समीप शुक्रवार की रात करीब आठ बजे अज्ञात वाहन चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक जैसे ही थाना पर दुर्घटना की जानकारी मिली, डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल बाइक सवार अंकुश पुत्र फूल सिंह को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। साथ ही घायल के परिजनों को भी दुर्घटना की जानकारी दी।

सोरों में हाईवे पर दो रोडवेज बसों की भीषण भिड़ंत, दो श्रद्धालुओं की मौत, 36 घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में शनिवार सुबह मथुरा-बरेली हाईवे पर कलेक्ट्रेट के निकट दो रोडवेज बसों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 यात्री घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से छह की गंभीर हालत को देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार एटा डिपो की रोडवेज बस सोरों से यात्रियों को लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही भरतपुर डिपो की रोडवेज बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बसों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर सोरों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में भरतपुर जिले के थाना बयाना क्षेत्र के फरसो गांव निवासी 80 वर्षीय गिर्राज पुत्र रामलाल तथा सेवाकुरवारियां गांव निवासी प्रीतम पुत्र प्यारे लाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सपना, गीता, भजनलाल, प्रेमवती, चंद्रकला सहित 36 अन्य यात्री घायल हुए हैं।

डीएम और एसपी ने जिला अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी घायलों का समुचित एवं बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रारंभिक जांच में चालक को नींद का झोंका आने की आशंका

पुलिस की प्रारंभिक जांच में भरतपुर डिपो के बस चालक की लापरवाही सामने आ रही है। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि चालक को अचानक नींद का झोंका आ गया था, जिससे बस अनियंत्रित होकर सामने से आ रही एटा डिपो की बस से टकरा गई। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

हादसे के बाद हाईवे पर लगा जाम

दुर्घटना के चलते मथुरा-बरेली हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। दोनों बसों के सड़क पर क्षतिग्रस्त अवस्था में खड़े होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने क्रेन और अन्य संसाधनों की मदद से बसों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

लोडर वाहन ने बाइक सवार दो युवको को मारी टक्कर, एक की मौत

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र में बिलराम कस्बा के निकट शुक्रवार की रात अज्ञात लोडर वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे जानकारी मिली बिलराम कस्बा के निकट बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात लोडर वाहन ने टक्कर मार दी है। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने घटना स्थल पर घायल मिले 25 वर्षीय विशाल सिंह पुत्र बहोरन सिंह, 32 वर्षीय मुलायम सिंह पुत्र गुरुपाल निवासीगण तबालपुर थाना ढोलना को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने विशाल को मृत घोषित कर दिया। घायल मुलायम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह दोनों कासगंज की ओर से बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी बिलराम के निकट अज्ञात लोडर वाहन उन्हें टक्कर मारकर चला गया। जानकारी के बाद परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। घायल मुलायम सिंह को रेफर किए जाने के बाद परिजन बेहतर उपचार के लिए अन्यत्र लेकर चले गए। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुराने मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत

मलबे से निकाले गए लोग, तीन बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

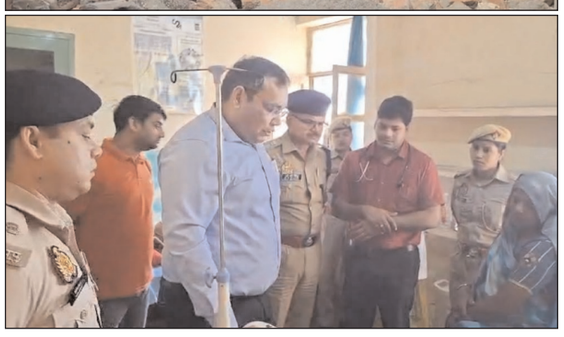

कासगंज। सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के ग्राम शेखूपुरा में शनिवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सुबह करीब साढ़े चार बजे एक पुराने मकान की लैंटर वाली छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। तेज धमाके और चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। वही ग्रामीणों और पुलिस की संयुक्त मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में 25 वर्षीय वीरभान पुत्र भगवान सिंह, उनकी 26 वर्षीय पत्नी नीलम तथा उनकी दो वर्षीय पुत्री काव्या की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं परिवार के तीन अन्य बच्चे 12 वर्षीय काजल, 10 वर्षीय मोहिनी और 8 वर्षीय सूरज गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक कासगंज मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल भी जाना। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह मकान का पुराना और जर्जर होना माना जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार मकान का लेंटर करीब 15 वर्ष पुराना था, जो शनिवार सुबह अचानक भरभराकर गिर गया। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। प्रशासन का कहना है कि सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल को मौके पर भेजा गया था और घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार को शासन की ओर से अनुमन्य आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कराई जा रही है।

प्रशासन ने सहायता का दिया आश्वासन, जर्जर मकान माना जा रहा कारण

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका परिषद सोरों में विचार गोष्ठी आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद सोरों द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर विधायक देवेन्द्र सिंह राजपूत ने केंद्र सरकार द्वारा विगत 12 वर्षों में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं से समाज के सभी वर्गों को लाभ प्राप्त हुआ है तथा देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। गोष्ठी में जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं नगरवासियों ने सहभागिता कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

सदिग्ध परिस्थितियों में अधेड महिला की मौत

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के मधूपुरा गांव में एक अधेड महिला की मौत हो गई। महिला को मृत देख परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के पुत्र की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया। मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार को मधुपुरा गांव के मंगल पुत्र अनोखे लाल ने करीब पौने 11 बजे पुलिस को जानकारी दी और बताया कि वह दिल्ली में रहता है। घर पर उसकी मां तारावती रहती है। गत शुक्रवार की शाम करीब पौने छह बजे उसकी बहन बाजार गई थी। इसी दौरान उसकी मां की मौत हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंच गई। लोगों ने पुलिस को बताया कि तीन दिन पहले गांव के ही एक युवक ने घर में घुसकर एक युवती से छेड़छाड़ की थी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर मामले में फैसला करा दिया। जबकि शुक्रवार की शाम महिला की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मृत्यु का सही कारण पता चल सकेगा।

सीईआर शाखा में नियमों के उल्लंघन के आरोप, सालों से जमे पुलिसकर्मियों को लेकर उठे सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद कासगंज की सीईआर (कॉन्फिडेंशनल इन्क्वारी रजिस्टर) शाखा में तैनात पुलिसकर्मियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि शाखा में तैनाती और स्थानांतरण के मामलों में नियमों की अनदेखी की जा रही है, जिसके चलते कुछ पुलिसकर्मी लंबे समय से सीईआर शाखा में ही अटके हुए हैं, जबकि अधिकारियों के करीबी माने जाने वाले कुछ कर्मियों को अन्य थानों में तैनाती दे दी गई है। जानकारी के अनुसार सीईआर शाखा का प्रावधान पुलिस विभाग में उन आरक्षियों और अधीनस्थ अधिकारियों के लिए किया गया है, जिनके खिलाफ विभागीय जांच या अनुशासनहीनता से संबंधित शिकायतें लंबित होती हैं। ऐसे मामलों में संबंधित कर्मियों को जांच अवधि के दौरान सीमित समय के लिए सीईआर शाखा में संबद्ध किया जाता है। हालांकि, सूत्रों का दावा है कि कासगंज जनपद में कई ऐसे पुलिसकर्मी सीईआर शाखा में तैनात हैं जिनके खिलाफ कोई विभागीय जांच या अनुशासनहीनता की शिकायत तक नहीं है। इसके बावजूद उन्हें करीब एक वर्ष या उससे अधिक समय से इसी शाखा में रोके रखा गया है। वहीं दूसरी ओर, जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायतें या जांच लंबित बताई जा रही थीं, उन्हें कथित रूप से सीईआर शाखा से हटाकर विभिन्न थानों में तैनाती दे दी गई है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली और स्थानांतरण प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों का कहना है कि सीईआर शाखा में तैनाती को लेकर एक समान नीति का पालन नहीं किया जा रहा है। कुछ कर्मियों को लंबे समय तक शाखा में रोके रखा जाता है, जबकि कुछ को अपेक्षाकृत जल्दी राहत मिल जाती है। इस स्थिति से प्रभावित पुलिसकर्मियों में असंतोष भी देखा जा रहा है। जानकारों के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में अनुशासनहीनता या विभागीय जांच से जुड़े मामलों में किसी पुलिसकर्मी को एक माह अथवा विशेष परिस्थितियों में दो माह तक सीईआर शाखा में रखा जा सकता है। लेकिन कासगंज में कुछ कर्मियों की तैनाती एक वर्ष से भी अधिक समय तक बनी हुई है, जिससे नियमों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर विभागीय स्तर पर चर्चा तेज है। अब देखना होगा कि उच्च अधिकारी इन आरोपों का संज्ञान लेकर सीईआर शाखा में तैनाती और स्थानांतरण की प्रक्रिया की जांच कराते हैं या नहीं। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह मामला विभागीय नियमों के उल्लंघन और पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली का उदाहरण बन सकता है।

मां वैष्णो देवी मंदिर में चोरी, 10 किलो पीतल के घंटे ले उड़े चोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहपुर सीकरी। कस्बे के बाईपास मोड़ स्थित दूरा तिराहा पर बने मां वैष्णो देवी मंदिर में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर मंदिर परिसर में लगे करीब 10 किलो वजनी पीतल के घंटे चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी शनिवार सुबह उस समय हुई जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। घंटे गायब देखकर श्रद्धालु स्तब्ध रह गए और देखते ही देखते क्षेत्र में घटना की चर्चा फैल गई। धार्मिक स्थल पर चोरी की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और भक्तों में आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों ने घटना को आस्था पर चोट बताते हुए जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने भी पुलिस प्रशासन से मामले का शीघ्र खुलासा करने की मांग उठाई।

सूचना मिलने पर कस्बा चौकी प्रभारी प्रमोद यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में जांच-पड़ताल की तथा संभावित सुराग जुटाने का प्रयास किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चोर देर रात मंदिर में पहुंचे और सुनसान का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस ने मंदिर समिति की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। चौकी प्रभारी प्रमोद यादव ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किए जाने का दावा किया है। मंदिर में चोरी की इस घटना से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन को विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है और आसपास के संदिग्ध व्यक्तियों से भी पूछताछ की जा रही है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा की प्रेस वार्ता आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, कासगंज में केंद्र सरकार के सफल 12 साल विकास के, विश्वास के एवं जनकल्याण के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान एमएलसी रजनीकांत माहेश्वरी मौजूद रहे।

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर डाला प्रकाश

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एमएलसी रजनीकांत माहेश्वरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ करोड़ों नागरिकों तक पहुंचा है। उन्होंने दावा किया कि बीते 12 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छुआ है और विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

जन-जन तक योजनाएं पहुंचाने का आह्वान

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने तथा आम जनता को इनसे जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र राजपूत, विधायक हरिओम वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. मनोज शर्मा, संजय पुंडीर सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पंचायत मतदाता सूची से नाम गायब होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जांच की मांग, बीएलओ पर लगाया नाम गायब करने का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/एलाऊ। ब्लॉक जागीर क्षेत्र के ग्राम एलाऊ में पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज न होने से शनिवार को ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बीएलओ के खिलाफ नारेबाजी की और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। प्रदर्शन में महिलाएं एवं युवा भी शामिल रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची में कई पात्र मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं।

गांव निवासी हरिओम चौहान ने बताया कि सूची देखने पर उन्हें पता चला कि उनका, उनकी पत्नी, माता तथा भाई का नाम पंचायत मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। जबकि विधानसभा मतदाता सूची में उनके नाम मौजूद हैं और उनके पास वैध वोटर आईडी कार्ड भी है। उन्होंने बताया कि यह समस्या केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव के कई परिवारों के साथ भी ऐसा हुआ है। गांव के लगभग आधा सैकड़ा युवाओं की आयु 18 वर्ष से अधिक होने के बावजूद उनके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए हैं। हरिओम चौहान ने बताया कि मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (सीएम पोर्टल) पर दर्ज कराई जा चुकी है। इसके अलावा थाना दिवस में एसडीएम भोगांव नीरज द्विवेदी को भी शिकायती पत्र सौंपा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

मतदाता सूची की तत्काल जांच कराई जाएं

ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम एलाऊ की पंचायत मतदाता सूची की तत्काल जांच कराई जाए, छूटे हुए पात्र मतदाताओं का सत्यापन कर उनके नाम सूची में शामिल किए जाएं तथा मतदाता सूची तैयार करने में हुई लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही गांव में विशेष शिविर लगाकर छूटे हुए मतदाताओं का सत्यापन कराने की भी मांग की गई है। प्रदर्शन में रामराज राठौर, विकास कुमार, अजय राठौर, दिनेश कठेरिया, हरिओम कुमार, मंजू देवी, पुष्पा देवी, शीला देवी, रामसेवक पाल, रजनेश पाल आदि लोग मौजूद थे।

क्या बोले एसडीएम भोगांव

एसडीएम भोगांव नीरज द्विवेदी ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कराकर पात्र मतदाताओं के नाम शीघ्र ही पंचायत मतदाता सूची में शामिल कराने की कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम प्रधान पर बीएलओ भाई से वोट कटवाने का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। ग्राम सभा हुसैनपुर के गांव नगला नीम निवासी राहुल कुमार यादव ने एसडीएम गोपाल शर्मा को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि उनके बीएलओ द्वारा फर्जी बोर्ड बनवाए गए हैं। उन्होंने बताया की बीएलओ वर्तमान प्रधान के चचेरे भाई हैं। प्रधान ने अपने चचेरे भाई को बीएलओ बनवाकर बाहरी लोगों के लगभग 80 से 100 के बीच वोट बनवा दिए जबकि ग्राम सभा हुसैनपुर के लगभग 220 वोट कटवा दिए। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के फर्जी वोट बने हैं उनके आधार कार्ड प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न है।

उन्होंने मांग की ग्राम सभा के जिन लोगों के वोट काटे गए हैं उनके वोट बनवाए जाएं तथा जो लोग ग्राम सभा से संबंध नहीं रखते हैं और जिनके वोट बनवाए गए हैं उनके वोट काट दिए जाएं ताकि असली मतदाताओं को वोट देने का अधिकार मिले उन्हें मताधिकार से वंचित न रखा जाए।

कार कारोबारी पर फायरिंग करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना एकता क्षेत्र में कार रेंटल कारोबारी के साथ मारपीट और तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब छह माह से वांछित चल रहे आरोपी को थाना एकता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने उसके कब्जे से एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पुलिस के अनुसार कार रेंटल व्यवसाय से जुड़े पीड़ित ने थाना एकता में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था कि 24 दिसंबर 2025 की रात वह टीडीआई सिटी स्थित रमाडा होटल के पास अपने कार्यालय को बंद कर घर जा रहा था। रास्ते में उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित जब गुतिला मोड़ के पास पहुंचा तो फोन करने वाला व्यक्ति अपने चार-पांच साथियों के साथ पहले से वहां मौजूद मिला। आरोप है कि आरोपी भरत पुत्र राजवीर जादौन और उसके साथियों ने पीड़ित को रोक लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी तो आरोपी और उसके साथी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर थाना एकता में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया था। पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थी और उसके संभावित ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही थी।12 जून 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना एकता पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी भरत पुत्र राजवीर जादौन निवासी मित्रपुरम कॉलोनी, कहरई को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। फरार रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास जारी हैं। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सौरभ सिंह और उ0नि0 अजय कुमार की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। मुहर्रम को लेकर थाना कोतवाली मे पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकृष्ण द्विवेदी की अध्यक्षता मे आयोजित पीस कमेटी की बैठक मे कहा कि धार्मिक आयोजन मिलजुल कर करने चाहिये जिससे आपसी सद्भावना और प्रेम बढता है धार्मिक आयोजनो मे कोई भी नई परम्परा की शुरूआत न करे। शनिवार को थाना कोतवाली मे आयोजित बैठक मे पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकृष्ण द्विवेदी ने कहा कि आगामी होने बाले मुहर्रम एंव प्याले को समाज के लोगो को मिलजुल कर मनाना चाहिये। उन्होने नगर पंचायत एंव विधुत विभाग को स्पष्ट निर्देश देते हुये कहा कि नगर मे सफाई की विशेष व्यवस्था रखे तथा विधुत विभाग बेबजह विजली की कटौती न करे। बैठक मे थाना प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी ने कहा कि प्याले के जुलूस मे कोई नई परम्परा न डाली जाये तथा सभी लोग आपसी सद्भाव एंव प्रेम के साथ त्यौहार मनाये। उन्होने कहा कि यदि कोई सदिग्ध व्यक्ति या किसी की गतिविधि पर सदेंह हो तो इसकी जानकारी तुरन्त पुलिस को दे। बैठक मे सभासद कलीमुद्दीन, नितिन उमेश, डा0 अयाज मन्सूरी ने भी अपने अपने सुझाव देते हुये आश्वस्त किया कि शासन प्रशासन की अनुरूप ही त्यौहारो को मनाया जायेगा तथा कोई भी नई परम्परा नही शुरू होगी। इस मौके पर कस्बा इंचार्ज जयदीप सिंह, उपनिरीक्षक मोनिका सिंह, सत्यप्रकाश शर्मा, जवाहर सिंह, जामा मस्जिद सदर मुहम्मद शकील उर्फ फूलमिंया, आरिफ अन्सारी, आदिल अन्सारी, बसीम, नईम, एहसान खान, शाकिर हुसैन आदि मौजूद थे।

करंट लगने से किशोर की दर्दनाक मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। समर चालू करते समय अचानक करन्ट आने से किशोर की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई जिससे परिजनो कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र को ग्राम देवीपुर निवासी 15 बर्षीय दीपांशु पुत्र सुखराम यादव का आवास के निकट ही दूसरे मकान पर समर लगी हुई थी गत दिवस दीपांशु को समर को चालू करने गया था तभी अचानक तार मे करन्ट आ गया जिससे दीपांशु की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दीपांशु नगर के एक विधालय मे कक्षा 9 का छात्र था।

बीएड परीक्षा मे 77 छात्र रहे अनुपस्थित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के नेशनल महाविधालय मे चल रही बीएड परीक्षा मे शनिवार को प्रथम वर्ष की परीक्षा मे 77 छात्र अनुपस्थित रहे। प्राचार्य डा0 एस के निमेष ने बताया कि शनिवार को आयोजित कला एंव सौन्दर्यशास्त्र की परीक्षा मे 1632 पंजीकृत छात्रों में 77 छात्र अनुपस्थित रहे। छात्रो को संघन चैकिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया।

पूर्व सांसद ने पहुंचकर जताया दुख

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के मोहल्ला कबीरगंज निवासी समाजसेवी शिवकुमार सिंह यादव की पत्नी कुसुम यादव के निधन पर विधायक करहल तेज प्रताप सिंह यादव,एमएलसी मुकुल यादव, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव,एसडीएम नीरज द्विवेदी, तहसीलदार गौरव अग्रवाल,सपा जिलाध्यक्ष पूर्व मंत्री आलोक शाक्य, विधायक प्रतिनिधि अंकुर अग्निहोत्री,टीपी मामा, प्रो. केसी यादव, नवोदय विद्यालय प्राचार्य राजेश यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सतीश यादव, उद्योगपति दीपेंद्र शाक्य, मेहरबान सिंह यादव, पूर्व प्राचार्य डा. बीके सिंह जिला पंचायत सदस्य अमित कठेरिया, यदुवंश टीटू, पूर्व चेयरमेन बीएन बेगम, पूर्व बीईओ जेपी पाल, डा. मनोज दीक्षित, भाजपा जिला महासचिव भूपेंद्र यादव, डा. मोहित चतुर्वेदी, सभासद अजय यादव, असतेंद्र गुप्ता, उमेश यादव, अनुराग दुबे आदि लोगों ने पहुचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

एसएन में गिनाई गई मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा में डॉक्टरों एवं प्रबुद्धजनों की विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। एल.टी.-4 सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों में हुए बदलावों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश, मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक, शिक्षक, प्रबुद्धजन और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 2014 में देश में केवल सात एम्स संस्थान थे, जिनकी संख्या बढ़कर 23 हो गई है। देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अब लगभग 780 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है तथा प्रतिदिन हजारों लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में 42 करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है, जिनमें 36 करोड़ लोगों की ओरल कैंसर स्क्रीनिंग भी शामिल है। साथ ही लगभग 2000 आवश्यक दवाओं के दाम कम किए गए हैं, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, नेशनल हेल्थ मिशन, ई-संजीवनी और आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए आईडी) जैसी योजनाओं की भी विस्तार से जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अंतर्गत एस.एन. मेडिकल कॉलेज को महत्वपूर्ण सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। इसके चलते यहां ओपन हार्ट बाईपास सर्जरी जैसी जटिल चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मेडिकल कॉलेज की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और मरीजों को पहले की अपेक्षा बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

योग दिवस को लेकर तैयारियां जोरो पर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। आगामी 21 जून को होने बाले अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी जोरो पर चल रही है विधालयो मे योग शिक्षक बच्चो को योग क्रियाये से प्रशिक्षित कर रहे है नगर के समीपवर्ती ग्राम आलीपुंर खेडा मे स्थित इण्डियन पब्लिक स्कूल मे ब्राइट कैरियर की देखरेख मे योग प्रशिक्षक राजपाल सिंह ने बच्चो को योग के बारे मे जानकारियां दी। शनिवार को इण्डियन पब्लिक विधालय पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि शिवम यादव ने कहा कि यदि मनुष्य को स्वस्थ रहना है तो योग को अपनाना होगा।

उन्होंने योग के महत्व पर विस्तार से बताते हुये कहा कि योग न केबल शारीरिक स्वास्थय के लिये लाभकारी है बल्कि मानसिक शान्ति एंव एकाग्रता के लिये भी आवश्यक है। इस मौके पर विकास कुमार, नितिन कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, प्रवेश कुमार, रविन्द्र सिंह, रूचि कुमारी, प्राची, पंकज कुमार, संन्तराम आदि मौजूद थे।

दो चौकी प्रभारियों पर गिरी गाज, एक हटा तो दूसरा निलंबित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा पुलिस कमिश्नरेट में शनिवार को दो चौकी प्रभारियों पर हुई कार्रवाई चर्चा का विषय बनी रही। अलग-अलग मामलों में शिकायतों और जांच के बाद एक चौकी प्रभारी को पद से हटाकर थाने से संबद्ध कर दिया गया, जबकि दूसरे चौकी प्रभारी को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई। दोनों मामलों ने पुलिस की कार्यप्रणाली और जनता के साथ व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहला मामला थाना जगदीशपुरा क्षेत्र की विजय नगर चौकी से जुड़ा है। यहां तैनात चौकी प्रभारी जयपाल पर आगरा सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने मकान निर्माण के दौरान रुपये मांगने और अनावश्यक कार्रवाई करने के आरोप लगाए थे। शिकायत के अनुसार विजय नगर क्षेत्र में निमार्णाधीन मकान पर चौकी प्रभारी ने आर्थिक मांग की थी। आरोप यह भी है कि विरोध करने पर निर्माण सामग्री लेकर पहुंचे वाहन को सीज कर दिया गया। व्यापारी नेता नितेश अग्रवाल ने मामले की शिकायत पुलिस अधिकारियों से की थी। इसके बाद विवाद लगातार बढ़ता गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में उन्हें परेशान करने के उद्देश्य से डायल-112 पर अवैध खनन की शिकायत दर्ज कराई गई और खनन विभाग की टीम बुलाकर निर्माण स्थल पर मौजूद जेसीबी को सीज करा दिया गया। मामले ने तूल पकड़ा तो सराफा कारोबारियों ने जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। प्रशासनिक जांच में मौके पर अवैध खनन जैसी कोई गतिविधि नहीं मिलने के बाद कार्रवाई करते हुए चौकी प्रभारी जयपाल को विजय नगर चौकी से हटाकर थाना जगदीशपुरा से संबद्ध कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद व्यापारिक संगठनों में चर्चा का माहौल रहा। दूसरा मामला थाना किरावली क्षेत्र की मिढ़ाकुर चौकी का है। यहां चौकी प्रभारी नवजीत सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

होटल संचालक सहित 10 पर जानलेवा हमला का मुकदमा

कुल्हाड़ी से वार कर किया था गंभीर घायल, आरोपियो की तलाश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र में दबंगों ने बकाया रुपये मांगने पर एक होटल संचालक को पीटकर मरणासन्न कर दिया। पीड़ित के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने 3 नामजद व 7 अज्ञात के विरुद्ध संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

हिमांशु चौहान पुत्र सतेंद्र चौहान उर्फ बंटू वार्ड नम्बर पांच, मोहल्ला हवेली कस्बा व थाना किशनी ने थाने पर तहरीर दी। उन्होंने बताया कि 11 जून की रात 9 बजे वह नगला अखे गांव के सामने अपने होटल पर बैठकर ग्राहक चला रहा था। उसी समय नगला अखे निवासी ओपी सिंह जाटव, बीप सिंह व गम्भीर जाटव पुत्रगण दयाराम होटल पर खाना खाने आये। मेरे द्वारा बकाया रुपये मांगने पर ये लोग आगबबूला हो गए और गाली गलौज कर होटल से चले गए। थोड़ी देर में उक्त लोग अपने साथ 7 और लोगों को लेकर होटल पर आये और लाठी डंडों से होटल में तोड़फोड़ कर हमला बोल दिया। वह जान बचाने के लिये होटल के कमरे में भागा तो आरोपियों ने होटल के कमरे में सो रहे पिता बंटू चौहान के ऊपर कुल्हाड़ी धारदार हथियार और तमंचे की बटों से वार करने लगे। हम लोग जान बचाने के लिये बाहर भागे तो इन्होंने हमारे साथ मौजूद मेरे मामा भूपेंद्र सिंह के ऊपर भी हमला कर दिया। ओपी जाटव ने मेरे पिता के सिर में जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से वार कर दिया। ये मेरे पिता सतेंद्र चौहान को मरणासन्न स्थिति में छोड़कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। हम लोग थाने आये जहां से पुलिस द्वारा सीएचसी पर मेडिकल कराने के बाद डॉक्टरों ने मेरे पिता सतेंद्र चौहान को जिला अस्पताल रैफर दिया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले में 3 नामजद व 7 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दुख की घड़ी में संवेदना, लेकिन सियासत पर भी नजर, आगरा दौरे से बढ़ी राजनीतिक चचाएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को अपने दो दिवसीय आगरा दौरे पर पहुंचे। हालांकि उनका आगमन राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के परिवार में हुए दुखद हादसे पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए था, लेकिन उनके दौरे ने ताजनगरी के राजनीतिक माहौल को भी गर्म कर दिया है।

आगामी 2027 विधानसभा चुनावों को देखते हुए इस दौरे को समाजवादी पार्टी की राजनीतिक रणनीति और संगठनात्मक सक्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे आगरा पहुंचे अखिलेश यादव सबसे पहले राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पहुंचे। यहां उन्होंने सांसद के धेवते के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिवार को सांत्वना दी। करीब 45 मिनट तक आवास पर रहने के दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और दुख की इस घड़ी में पार्टी की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

सांसद आवास के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। मीडिया ने जब उनसे राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया तो उन्होंने संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, "आज मैं शोक मनाने आया हूं, कल आपसे मुलाकात होगी।" इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़कर अभिवादन किया और आगे के कार्यक्रमों के लिए रवाना हो गए। उनके इस बयान को राजनीतिक जानकार केवल औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि अगले दिन के कार्यक्रमों के लिए एक संकेत के रूप में देख रहे हैं। शोक संवेदना के साथ संगठनात्मक संपर्क साधने की भी कोशिश राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश यादव का यह दौरा केवल शोक संवेदना तक सीमित नहीं है। सांसद रामजीलाल सुमन के आवास से निकलने के बाद उन्होंने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आलोक पारीक के परिवार से मुलाकात की। इसके बाद वे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी विनय अग्रवाल के आवास भी पहुंचे। इन मुलाकातों को स्थानीय नेतृत्व के साथ संपर्क मजबूत करने और संगठन की नब्ज टटोलने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सपा सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व आगरा में संगठन की वर्तमान स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय मुद्दों को लेकर लगातार फीडबैक जुटा रहा है। ऐसे में अखिलेश यादव का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रविवार को 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में दिखेगा सपा का भविष्य का एजेंडा अखिलेश यादव रविवार को होटल मुगल शेरेटन में आयोजित 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में आगरा के उद्योगपति, व्यापारी, शिक्षाविद, युवा उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस मंच के माध्यम से सपा प्रमुख रोजगार, उद्योग, शिक्षा, निवेश और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर अपनी पार्टी की सोच को सामने रखेंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं और शहरी मतदाताओं को साधने के लिए समाजवादी पार्टी इस तरह के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दे रही है।

आगरा की नौ विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस

आगरा लंबे समय से समाजवादी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र रहा है। जिले की नौ विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर पार्टी ने पिछले चुनावों में पूरी ताकत झोंकी थी, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। यही कारण है कि 2027 के चुनावों से पहले पार्टी नेतृत्व आगरा को लेकर नई रणनीति तैयार कर रहा है। सपा के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि यदि आगरा में संगठन को मजबूत किया जाए और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाए तो पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। इसी वजह से बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और स्थानीय समीकरणों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

टिकट वितरण और नए चेहरों पर भी चल रहा मंथन

पार्टी के भीतर इस बात पर भी चर्चा तेज है कि आगामी विधानसभा चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनकी स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ हो और जो जीत की संभावना को बढ़ा सकें। पिछले चुनावों के अनुभवों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व इस बार प्रत्याशी चयन में विशेष सतर्कता बरतना चाहता है। सूत्रों का कहना है कि आगरा दौरे के दौरान अखिलेश यादव स्थानीय नेताओं से संगठन की स्थिति, संभावित उम्मीदवारों और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर भी फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

जेवरों के लालच में महिला की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना खेड़ा राठौड़ क्षेत्र में महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने जेवरों के लालच में महिला की हत्या की थी। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी मनु पुत्र कलियां सिंह निवासी पूरा गुमान सिंह, थाना खैरा राठौर की तलाश की जा रही थी। शनिवार को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बटेश्वर परिक्रमा मार्ग पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध बाइक सवार युवक को रोकने का प्रयास किया गया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो कुंडल पीली धातु, दो पायजेब, 1500 रुपये नकद, एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि मृतका लक्ष्मी सिंह उसके गांव की परिचित थी। महिला के पास मौजूद जेवरों को देखकर उसके मन में लालच आ गया और उसने हत्या की वारदात को अंजाम दे दिया। हत्या के बाद वह जेवर और अन्य सामान लेकर फरार हो गया था। घटना के खुलासे के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। आरोपी की निशानदेही पर बरामद किए गए जेवरों को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि महिला हत्या प्रकरण में वांछित आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिनदहाड़े मां-बेटे को बनाया निशाना, दो लाख नकदी और जेवरात लूटकर फरार बदमाश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना अछनेरा क्षेत्र के कुकथला चौकी इलाके में शनिवार को दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने मां-बेटे को निशाना बनाते हुए महिला के हाथ से बैग झपट लिया और मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बैग में करीब दो लाख रुपये की नकदी और सोने के जेवरात रखे हुए थे

। घटना के बाद पीड़ित परिवार के होश उड़ गए, जबकि क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला अपने बेटे के साथ जा रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और महिला के हाथ में मौजूद बैग पर झपट्टा मार दिया। महिला जब तक कुछ समझ पाती, तब तक बदमाश बैग लेकर तेज रफ्तार में फरार हो चुके थे। अचानक हुई इस घटना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और पीड़ितों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी वारदात के संबंध में जानकारी ली और बदमाशों के भागने की दिशा के बारे में जानकारी एकत्र की। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने क्षेत्र में घेराबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

पुलिस का कहना है कि बदमाशों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर दिनदहाड़े इस तरह की घटना होना चिंता का विषय है। लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद महिलाओं और व्यापारियों में भी भय का माहौल देखा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। दिनदहाड़े हुई इस लूट की वारदात ने एक बार फिर अछनेरा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं कि आखिर कब तक इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश कानून के शिकंजे में आते हैं।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

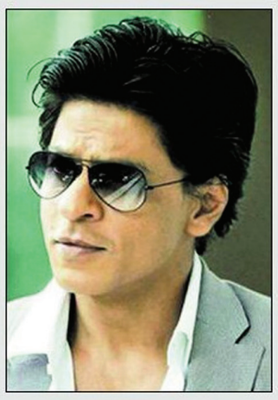

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

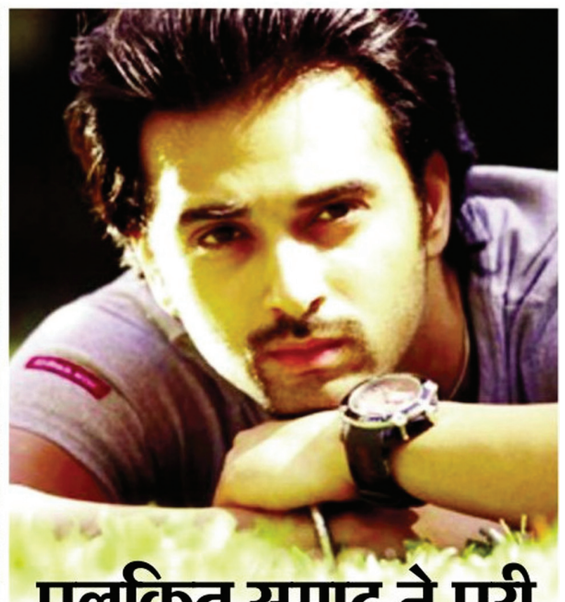

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा , गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307 , 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नही है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।